RNI NO. RAJHIN/2013/57419

राजस्थान का सर्वाधिक ई-पेपर दैनिक

द पुलिस पोस्ट

आंदोलन नही अखबार

जयपुर
गुरूवार
31/अक्टूबर/2024

वर्ष: 10: अंक: 195

जयपुर, जैसलमेर, भीलवाड़ा से प्रसारित

दूरभाष: 01482: 433184: पृष्ठ: 08: मूल्य: 1.50 रुपए

जयपुर के महालक्ष्मी मंदिर के नीचे थी गुप्त सुरंग:

चांदी की टकसाल में बने सिक्के सिटी पैलेस पहुंचते थे, राजपरिवार ने किया था स्थापित

द पुलिस पोस्ट

जयपुर जयपुर का महालक्ष्मी मंदिर, जहां 1100 साल पुरानी मां लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित है। यह प्रतिमा कमल के फूल पर विराजित है। इसी जगह राजपरिवार के राजकोष के लिए चांदी के सिक्के बनाए जाते थे। ये सिक्के एक गुप्त सुरंग के जरिए सिटी पैलेस तक पहुंचते थे। मंदिर के महंत राजेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि यहां पर राजस्थान की सभी रियासत के राजकोष के लिए सोने-चांदी के सिक्के तैयार किए जाते थे। टकसाल में बना पहला सिक्का माता महालक्ष्मी को अर्पण किया जाता था। बाकी के सिक्के राजकोष में जमा किए जाते थे। मन्दिर में प्रत्येक शुक्रवार शाम को महा आरती का आयोजन महन्त राजेंद्र कुमार, विक्रम कुमार, विकास कुमार की ओर से किया जाता है। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। यह मंदिर जयपुर की चारदीवारी के ईशान कोण में बना है। यहां के सभी व्यापारियों ने अपनी दुकानों का नाम भी महालक्ष्मी जी के नाम पर रखा हुआ है। महंत राजेंद्र कुमार शर्मा ने बताया- यहां पाताल लोक में महालक्ष्मी कमल से निकलती हुई दिखाई गई हैं, जो पृथ्वी पर गजलक्ष्मी के रूप में विराजमान है। गज लक्ष्मी के दोनों ओर दो हाथी और दो उल्लू हैं। विग्रह के पीछे शेषनाग पर भगवान विष्णु विराजित हैं। विग्रह के ऊपर स्वर्ग लोक है। इसमें राजा इंद्र अपनी इंद्राणी के साथ और दो ऐरावत हाथी के

साथ स्वर्ग से मां लक्ष्मी पर पुष्प वर्षा करते हुए दिखाई दे रहे हैं। मंदिर महंत पंडित राजेंद्र कुमार शर्मा ने बताया- यह विग्रह 11वीं शताब्दी का है। इसे जयपुर के राज परिवार द्वारा स्थापित किया गया था। 11वीं शताब्दी में आमेर टकसाल के अंदर तांबे के सिक्के बनाए जाते थे। पहले आमेर राजधानी हुआ करती थी। यह मूर्ति भी पहले आमेर की टकसाल में स्थापित थी। जयपुर की स्थापना से करीब 100 साल पहले चांदी की टकसाल बनाई गई। सन् 1727 में जयपुर की स्थापना के बाद चांदी की टकसाल में मूर्ति को स्थापित किया गया।

रूप चौदस पर माता का श्रृंगार किया जाता है

विग्रह को विराजित करने में कई सावधानियां भी रखी गईं। माता की मूर्ति को इस तरीके से स्थापित किया गया है कि कमल पर महालक्ष्मी विराजित रहे। कमल को दीवार के अंदर फिक्स किया गया है। इससे मूर्ति को कोई हिला ना सके। रूप चौदस के अवसर पर माता का चांदी के आभूषणों से श्रृंगार किया जाता है। ये चांदी के आभूषण राज परिवार के समय के चढ़ाए हुए हैं। इसे हर साल केवल रूप चौदस के दिन ही निकाला जाता है। मंदिर महंत के अनुसार, जयपुर के महाराज मानसिंह प्रथम हर दिन महालक्ष्मी की साधना के लिए आया करते थे। ऐसा बताया जाता है कि महाराजा मानसिंह मां लक्ष्मी से अपने राजकोष को सदैव भरे रहने की याचना किया करते थे। महालक्ष्मी की कृपा से राजकोष से जितना खजाना खर्च होता था, उसके दूसरे दिन ही वह खजाना फिर से भर जाता था। दीपावली के अवसर पर जयपुर के सभी प्रमुख जौहरी गहनों की पोटली बांधकर यहां आया करते थे। हर पोटली पर व्यापारी का नाम लिखा रहता था। इसे माता के चरणों में रखा जाता था। दीपावली के तीसरे दिन यहां से वह अपनी दुकान और घरों तक लेकर जाया करते थे।

विदेश से आया करती थी चांदी

जब से चांदी के सिक्के का प्रचलन हुआ। यहां चांदी को गला कर उसके बाद सिक्के बनाए जाते थे। इस जगह पर पहरा देने के लिए राज परिवार से काफी संख्या में सैनिक लगा करते थे। जो इस चांदी की टकसाल की सुरक्षा करते थे। इसे पुराने जमाने का 'रिजर्व बैंक' कहा जाता था।
यहां पहले चांदी विदेश से आया करती थी। इसे लाने में काफी सुरक्षा रखी जाती थी। इसके बाद यहां पर चांदी के सिक्के बनाए जाते थे। इसे सबसे पहले महालक्ष्मी के पास लाया जाता था। इसके बाद यहां से राज परिवार के राजकोष में जमा होने के लिए जाता था।

वास्तु के हिसाब से स्थापित किया गया

चांदी की टकसाल को भी वास्तु के हिसाब से ही स्थापित किया गया था। वास्तु शास्त्र के अनुसार भंडार या लक्ष्मी का स्थान ईशान कोण में होता है। इसलिए जयपुर परकोटे के ईशान कोण में इस मंदिर की स्थापना हुई थी।

चांदी के सिक्के ले जाने के लिए गुप्त सुरंग बनाई थी

इस मंदिर को ऊंचाई पर स्थापित किया गया है। इसके नीचे से टकसाल से सिटी पैलेस तक एक गुप्त सुरंग हुआ करती थी। इसके जरिए राजकोष तक चांदी के सिक्के पहुंचते थे। सभी सिक्के मां के पास से ही निकलकर राजकोष तक जाते थे। राज परिवार के सदस्य आधी रात में मंदिर में पूजा करने आते हैं। यह परंपरा सैकड़ों साल से चली आ रही है। वर्तमान में पूर्व राज्य परिवार के सदस्य भी दीपावली की आधी रात को यहां महालक्ष्मी के पूजन और दर्शन के लिए आते हैं।

3 साल पहले तक सिर्फ दीपावली के दिन खोला जाता था मंदिर

3 साल पहले तक यहां आम आदमी के दर्शन लिए केवल दीपावली के दिन खोले जाते थे। 2022 के बाद से दर्शन के लिए आम आदमी के लिए प्रतिदिन खोला गया। चांदी की टकसाल 12000 गज में फैली हुई थी। इसमें ही कर्मचारियों के रहने की भी व्यवस्था थी। कर्मचारियों को बाहर जाने की अनुमति नहीं हुआ करती थी।

अब महायुति में भी घमासान

भाजपा और अजित की एनसीपी में दरार, सोमैया ने मलिक को बताया आतंकी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

गठबंधनों में भी कई 'बंधन'

दीपावली के बाद चुनाव प्रचार में आएगी गरमाहट

महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही वैसे-वैसे राजनीतिक गलियारे में हलचल तेज होती जा रही है। महा विकास अघाड़ी के बाद अब महायुति में भी सब कुछ ठीक नहीं लग रहा है।

नवाब मलिक को मानखुर्द शिवाजी नगर से टिकट दिए जाने पर भाजपा और अजित पवार वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के बीच तल्खी बढ़ गई है। भाजपा नेता किरीट सोमैया ने मलिक को आतंकी करार दिया।

सोमैया ने कहा- मलिक ने देश को तोड़ने की कोशिश की

अजित पर तीखा हमला बोलते हुए सोमैया ने कहा कि मलिक ने देश को टुकड़ों में तोड़ने की कोशिश की। वे दाऊद के एजेंट हैं। उन्हें टिकट देकर अजित की एनसीपी ने देश के साथ धोखा किया है। सुरेश कृष्णा पाटिल (बुलेट पाटिल) महायुति से एकनाथ शिंदे गुट वाली शिवसेना के उम्मीदवार हैं। उन्होंने चुनाव प्रचार शुरू किया है। मलिक ने मंगलवार को इस सीट से नामांकन दाखिल किया था। इससे महायुति के सामने खासकर भाजपा और शिवसेना (शिंदे गुट) के सामने असमंजस की स्थिति पैदा हो गई।

सपा से भी सुलह की आस लगी

उन्होंने कहा कि सभी बागी वापस चले जाएंगे। एमवीए में कोई दोस्ताना लड़ाई नहीं होगी। बालासाहेब थोराट, विजय वडेट्टीवार और नाना पटोले बागियों से बात करेंगे। उन्होंने कहा कि एमवीए की सरकार बनाना हमारा लक्ष्य है। उन्होंने जोर देकर कहा कि विपक्षी सहयोगी राज्य विधानसभा चुनाव अनुशासन के साथ लड़ेंगे।

एमवीए में भी 'सिर फुटौव्वल'

कांग्रेस भी बागियों को मनाने में जुटी

महाराष्ट्र में नामांकन की प्रक्रिया खत्म होते ही कांग्रेस पार्टी की टेंशन बढ़ गई है। पार्टी को अब अपने ही बागियों से डर सताने लगा है। इसके चलते वो बागियों को मनाने में जुट गई है। कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने अपने नेताओं को ये सुनिश्चित करने को बोला है कि सभी बागी नामांकन वापस ले लें और उन्होंने जोर दिया कि राज्य विधानसभा चुनावों में एमवीए सहयोगियों के बीच कोई लड़ाई न हो। चेन्निथला ने यह भी दावा किया कि भाजपा ने अपने महायुति सहयोगियों की सीटें पर कब्जा किया है, जबकि एमवीए ने गठबंधन सहयोगियों के साथ समान व्यवहार किया है।

हम मलिक का समर्थन नहीं करेंगे: शेलार

भाजपा की मुंबई इकाई के अध्यक्ष आशीष शेलार ने मलिक की उम्मीदवारी के खिलाफ बयान दिया था, जिसके कुछ दिनों बाद मलिक ने नामांकन दाखिल कर दिया। शेलार ने कहा था कि इब्राहिम से जुड़े किसी भी व्यक्ति को टिकट देना स्वीकार नहीं करेंगे। हम मलिक का समर्थन नहीं करेंगे और हमारा रुख अलग होगा।

कांग्रेस के उम्मीद

बागी नामांकन वापस लेंगे

एमवीए में कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) शामिल हैं। महाराष्ट्र के अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रभारी चेन्निथला ने कहा कि उनकी पार्टी के नेता नसीम खान को समाजवादी पार्टी से बात करने के लिए कहा गया है और उन्हें उम्मीद है कि (बागियों द्वारा नामांकन का) मुद्दा 4 नवंबर तक सुलझ जाएगा।

दो दिवसीय दौरे पर गुजरात पहुंचे पीएम मोदी

पीएम मोदी ने 284 करोड़ की परियोजनाओं का किया शिलान्यास

ट्रामा सेंटर,सीटी स्कैन समेत तमाम सुविधाओं से सुसज्जित उप-जिला अस्पताल को किया समर्पित

एजेंसी ▶▶ एकता नगर

अहमदाबाद से करीब 200 किलोमीटर दूर एकता नगर पहुंचने के बाद पीएम मोदी ने कई नई परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इनमें एक उप-जिला अस्पताल, स्मार्ट बस स्टॉप, चार मेगावाट की सौर उर्जा परियोजना और दो आईसीयू-ऑन-व्हील्स शामिल हैं।

पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को गुजरात के नर्मदा जिले के एकता नगर में स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने 284 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं और पर्यटन स्थलों का शिलान्यास और आधारशिला रखी। मोदी दो दिनी गुजरात यात्रा पर हैं और इस दौरान वे राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में भी भाग लिया। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई जाती है। अहमदाबाद से करीब 200 किलोमीटर दूर एकता नगर पहुंचने के बाद मोदी ने कई नई परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इनमें एक उप-जिला अस्पताल, स्मार्ट बस स्टॉप, चार मेगावाट की सौर उर्जा परियोजना और दो आईसीयू-ऑन-व्हील्स शामिल हैं। पीएम ने 22 करोड़ की लागत से बने 50 बेड के उप-जिला अस्पताल का भी शुभारंभ किया। इस अस्पताल में एक ट्रॉमा सेंटर, स्त्री रोग ऑपरेटिंग थिएटर, छोटा ऑपरेटिंग थिएटर, सीटी स्कैन सुविधा, आईसीयू, लेबर रूम, फिजियोथेरेप वार्ड, मेडिकल स्टोर और एंबुलेंस की सुविधा है।

284 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं और पर्यटन स्थलों का शिलान्यास और आधारशिला रखी

10 स्मार्ट बस स्टॉप 10 पिक-अप स्टैंड शुरू

उन्होंने एकता नगर में 10 स्मार्ट बस स्टॉप और 10 पिक-अप स्टैंड, कार चार्जिंग प्वाइंट और राज्य रिजर्व पुलिस बल के कर्मियों को दौड़ने के लिए ट्रैक का भी शुभारंभ किया। पीएम ने 23.26 करोड़ से विकसित चार मेगावाट की सौर उर्जा परियोजना का भी उद्घाटन किया। इस मौके पर, मोदी ने एकता नगर में 75 करोड़ के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की नींव भी रखी, जो करीब 4,000 घरों, सरकारी कमरों और अन्य आतिथ्य स्थलों के सीवेज प्रबंधन के लिए इस्तेमाल होगा।

एकता दिवस की शपथ भी दिलाई

पीएम ने एकता दिवस की शपथ दिलाई और परेड देखी, जिसमें 9 राज्यों और 1 केंद्र शासित प्रदेश की पुलिस, 4 केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, एनसीसी और एक मार्चिंग बैंड की 16 मार्चिंग टुकड़ियां रहीं। एनएसजी की हेल मार्च टुकड़ी, बीएसएफ और सीआरपीएफ के महिला और पुरुष बाइकर्स भी थे।

कॉमन फाउंडेशन कोर्स के अधिकारी प्रशिक्षुओं को किया 'आरंभ'

इसके बाद पीएम मोदी 99वें कॉमन फाउंडेशन कोर्स के अधिकारी प्रशिक्षुओं को आरंभ 6.0 में संबोधित करेंगे। इन परियोजनाओं का उद्देश्य पर्यटकों के अनुभव को बढ़ाना, पहुंच में सुधार करना और क्षेत्र में स्थिरता पहलों का समर्थन करना है। इस वर्ष के कार्यक्रम का विषय है आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लिए रोडमैप। 99वें कॉमन फाउंडेशन कोर्स - आरंभ 6.0 - में भारत की 16 सिविल सेवाओं और भूटान की 3 सिविल सेवाओं के 653 अधिकारी प्रशिक्षु शामिल हैं। स्टेच्यू ऑफ यूनिटी पर पटेल को पुष्पांजलि अर्पित करेंगे, जिसके बाद राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह मनाया जाएगा।

झारखंड में 4 को गढ़वा और चाईबासा में करेंगे चुनावी रैलियां

भाजपा व्यापक दृष्टिकोण (घोषणा पत्र) प्रस्तुत करेगी

विधानसभा चुनाव में एनडीए प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार के लिए पीएम मोदी 4 नवंबर को झारखंड आएंगे। वह राज्य के गढ़वा और चाईबासा जिले में जनसभाओं को संबोधित करेंगे। इसके पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 3 नवंबर को आएंगे। उनकी तीन चुनावी सभाएं होंगी। यह जानकारी केंद्रीय मंत्री और झारखंड में भाजपा के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने दी। केंद्रीय मंत्री चौहान ने बताया कि शाह की सभाएं पूर्वी सिंहभूम जिले के धालभूमगढ़, हजारीबाग जिले के बरकट्ठा और चतरा जिले के सिमरिया में आयोजित होंगी। दीपावली के तुरंत बाद भाजपा के कई अन्य नेता और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री भी चुनाव प्रचार करने झारखंड पहुंचेंगे। चौहान ने कहा कि भाजपा जल्द ही झारखंड चुनाव के लिए अपना विस्तृत घोषणा पत्र जारी कर देगी। इसमें झारखंड के चहुंमुखी विकास के लिए पार्टी अपना व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करेगी।

हीरा कारोबारी सावजी ढोलकिया के बेटे की शादी में शामिल हुए पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस हफ्ते की शुरुआत में सूरत (गुजरात) के हीरा कारोबारी सावजी ढोलकिया के बेटे द्वव्य ढोलकिया की शादी में शामिल हुए। सावजी ढोलकिया ने इंस्टाग्राम पर इसकी तस्वीरें और वीडियोज शेयर किए हैं, जिसमें पीएम मोदी नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद देते दिख रहे हैं। सावजी ढोलकिया सूरत के सबसे अमीर लोगों में से एक हैं।

राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन

पूर्व संध्या पर नड्डा ने दिलाई 'राष्ट्रीय एकता' की शपथ

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारी और कर्मचारी रहे शामिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने बुधवार राष्ट्रीय एकता दिवस की पूर्व संध्या पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को भारत की एकता और अखंडता को बनाए रखने की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम में शपथ-पत्र पढ़ा गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने भारत की विविध संस्कृतियों, भाषाओं और परंपराओं के बीच एकता को मजबूत करने की दिशा में काम करने की शपथ ली। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से यह जानकारी दी।

पटेल के नेतृत्व को सराहा

मंत्रालय के अनुसार राष्ट्रीय एकता दिवस की पूर्व संध्या पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने दिल्ली के निर्माण भवन में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को भारत की एकता और अखंडता को बनाए रखने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव और केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव भी मौजूद रहे। इस कार्यक्रम के माध्यम से सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शिता और देश को एकजुट करने में उनके कुशल नेतृत्व को सम्मानित किया गया।

राष्ट्रीय एकता के महत्व पर बल दिया

इस समारोह के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने एक सुसंगत और प्रगतिशील समाज को बढ़ावा देने में राष्ट्रीय एकता के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आज हम सरदार पटेल द्वारा समर्थित एकता और अखंडता के सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हमारे कार्य और नीतियां भारत को अद्वितीय बनाने वाली समावेशिता और विविधता की भावना को प्रतिबिंबित करें।

सवारियां लेने की होड़ में हुई 13 लोगों की मौत

लक्ष्मणगढ़ बस हादसे पर लोगों का गुस्सा फूटा, आगजनी; मृत ड्राइवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज

द पुलिस पोस्ट

सीकर सीकर के लक्ष्मणगढ़ में हुए बस हादसे में हुई लापरवाही पर लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। लक्ष्मणगढ़ के आसपास के लोगों ने बुधवार सालासर से नवलगढ़ रूट पर सरकारी बसें चलाने और प्राइवेट बसों की मनमानी रोकने की मांग को लेकर उग्र प्रदर्शन किया और टायर जलाए। लोगों का आरोप है कि प्राइवेट बसों में सवारी लेने की होड़ होती है, इसीलिए हादसे होते हैं। यह हादसा भी इसी वजह से हुआ है। इधर, देर रात सीकर से जयपुर रेफर हुई एक महिला की मौत हो गई। यह हादसे में ड्राइवर समेत 13वीं मौत है। 29 में से 9 घायलों का जयपुर और 20 का सीकर में इलाज चल रहा है। पुलिस ने मृतक ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बता दें कि मंगलवार को सालासर से नवलगढ़ जा रही तेज रफ्तार प्राइवेट बस लक्ष्मणगढ़ में घुमाव पर पुलिया की दीवार से टकरा गई थी। मामले में परिवहन विभाग ने 10 नवंबर को हादसे की रिपोर्ट मांगी है। पढ़ें पूरा घटनाक्रम लक्ष्मणगढ़ के रल्डड महेंद्र सिंह ने बताया- बस ड्राइवर प्रमोद सिंह (35) के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। बस में सवार लोगों से प्राथमिक पूछताछ के आधार पर बस ड्राइवर की लापरवाही का मामला सामने आया है। वह बस को स्पीड से चला रहा था। इसी के चलते 13 लोगों की मौत हुई है। मामले की आगे की जांच लक्ष्मणगढ़ उड को सौंपी गई है। पुलिस के अनुसार, कल 10 लोगों को इलाज के लिए सीकर से जयपुर रेफर किया गया था। उनमें सुजानगढ़ की रहने वाली 32 साल की महिला माया देवी भी शामिल थी। जो बस में बैठकर लक्ष्मणगढ़ की तरफ आ रही थी। देर रात इलाज के बाद उनकी भी मौत हो गई। कई घायलों का इलाज सीकर और जयपुर में जारी है।

गोकुलपुरा थाना इलाके में 25.26 लाख की लूट का मामला:

मास्टरमाइंड सहित 5 आरोपी गिरफ्तार,पैसों का बंटवारा किया लेकिन खर्च करने से पहले पकड़े गए

सीकर सीकर की गोकुलपुरा थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने दो दिन पहले गोकुलपुरा थाना क्षेत्र के कहारों की ढाणी इलाके में बाइक सवार युवक के साथ 25.26 लाख रुपए की लूट के मामले में मास्टरमाइंड सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने वारदात के बाद लूटे हुए रुपए का बंटवारा कर लिया था। लेकिन उन्हें खर्च करने के पहले ही पुलिस ने आरोपियों को पकड़ लिया। घटना का पीड़ित और उसका सेठ हवाला कारोबार से जुड़े हुए हैं। घटना को लेकर पीड़ित अजय कुमार निवासी वैध की ढाणी ने 29 अक्टूबर रिपोर्ट दर्ज करवाई कि वह 28 अक्टूबर की दोपहर अपने घर का अनाज बेचने के लिए सीकर गया था। यहां उसने अनाज और अन्य उपज को बेचकर 16.20 लाख रुपए अलग-अलग थैलियों में डालकर अपने बैग में रख लिए। इसके बाद रानोली गया तो वहां उसके सेठ मुकेश गोस्वामी के कहने पर वह रामनिवास कुमावत के कपड़े की दुकान पर गया। जहां रामनिवास ने 9 लाख रुपए दे दिए। यह 9 लाख रुपए अजय को अपने सेठ मुकेश के किसी आदमी को देने थे ऐसे में वह पैसे भी अजय ने अपने बैग में रख लिए। अजय के बैग में इसके अलावा करीब 6 हजार रुपए, बैंक की पासबुक सहित अन्य डॉक्यूमेंट भी थे। अजय यह पूरे रुपए लेकर अपने अकाउंट में जमा करवाने और सीकर में ज्वेलरी शोरूम के बकाया राशि देने के लिए सीकर आ रहा था। जैसे ही वह शाम को 4 बजे के करीब कहारों की ढाणी के पास हाईवे होते हुए लकड़दास महाराज के मंदिर की तरफ पहुंचा तो वहां पर पीछे से एक बोलोरो कैंपर गाड़ी आई। यह गाड़ी अजय की बाइक की तरफ आई तो अजय ने अपनी बाइक को डिवाइडर की तरफ दबा दिया। गाड़ी का ड्राइवर गेट खोलकर नीचे उतरा और फिर धक्का देकर अजय को नीचे गिरा दिया। गाड़ी में अन्य लोग भी बैठे थे वह भी नीचे उतरे, मारपीट करके बैग छीन लिया। इसके बाद बदमाश अपनी कैंपर गाड़ी को लेकर सीकर की तरफ भाग गए। लेकिन अजय ने बदमाशों की एक गाड़ी की फोटो ले ली थी। पुलिस ने घटना के तुरंत बाद सबसे पहले गाड़ी को आईडेंटिफाई किया तो गाड़ी झुंझुनू के शंकर की निकली। गाड़ी के आधार पर पुलिस एक आरोपी तक पहुंची। इसके बाद मामले में कुल पांच लोगों को डिटेन किया गया।

हरित क्रांति की मिशाल बरगद के पेड की हत्या करने वालो के विरुद्ध कारवाई की माँग

विशाल हरे भरे पेड की जडो मे तेजाब डालकर हत्या कर दी हत्यारों के विरुद्ध कार्यवाही होनी चाहिए

100 साल पुराना बरगद के पेड की हत्या की गई है उपखंड अधिकारी से जाँच करवाने का ज्ञापन सौंपा

द पुलिस पोस्ट

शिवगंज अंबिका चौक में खड़ा 100 वर्ष पुराना बरगद के पेड़ धरासाई हो गया पता ही नहीं चला की कुछ नुकसान जरूर हुआ तार टूट गया इसके अलावा कुछ नहीं हुआ पालिका प्रशासन ने जेसीबी भेजी गई पहले पेड़ को काटकर श्मशान घाट पर ले गए विद्युत विभाग वाले आकर उन्होंने वायरिंग जोड़कर विधुत समस्या हल कर दी पर एक सवाल तो अभी भी उठ रहा है इस 100 साल पुराने पेड़ की हत्या किसने की क्योंकि इस पेड़ में एसिड डालने से ही इसकी हत्या हुई है नहीं की अपने आप गिर गया है नहीं तो हवा चली नही आँधी बारिश ना कोई तूफान फिर कैसे गिरा और गिरने वाले को पता था की कब गिरेगा उस टाइम नीचे वहां पर कोई नहीं होगा इस टाइम पर उन्होंने ज्यादा ऐसीड डालकर उसे गिरा दिया गया पर प्रशासन ने इसकी सूचना नहीं दी स्नेक्स लवर वह पर्यावरण प्रेमी इकट्ठे होकर उपखंड अधिकारी नीरज मिश्रा को एक पत्र देकर इस हरित राजस्थान की हत्या करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की गई ऐसे तो आज दीपावली का टाइम है बरगद के पेड़ पीपल के पेड़ को पूजा जाता है लक्ष्मी की सवारी उस पर बैठते है यहां पर कुछ भूमाफियाओ ने अपने स्वार्थ के लिए अपने काम्पलैक्स के लिए इस पेड़ को उजाड कर तोड़कर फेंक दिया इनको पता था यह गिरेगा जेसीबी पालिका कर्मचारी विद्युत विभाग कर्मचारी 5 मिनट के अंदर पहुंच गए क्योंकि वह भूमाफियाओ ने अपनी जमीन की रेट डबल जरूर की है पर इसकी हत्या हुई है इसके विरुद्ध कार्रवाई कौन करेगा यहां पर कुछ स्वार्थी लोगों ने अपने स्वार्थ के लिए इस पुराने बरगद के पेड़ को एसिड डालकर जडे जला दिया गया क्योंकि इस पेड़ की जडे कई मिटर तक जाती है पर इस पेड़ की जड़ एक फिट भी नहीं दिखी इसका

मतलब जड़ को इन्होंने पहले से नष्ट कर दिया था चलो भगवान इनका भला करेगा क्योंकि मां लक्ष्मी वह वहां वह अन्य पक्षी इस पर निवास कर रहे होंगे उनका घर उजाड़ने वालों का कभी भला नहीं होता क्योंकि इन्होंने यह नहीं सोचा यहां पर निवास करने वाले उनके बच्चे होंगे किसी अंडे होंगे अन्य जीव जंतु होंगे उनकी भी हत्या भी इसके साथ-साथ हुई है प्रशासन को ईसके साथ-साथ पक्षियों व अन्य जानवरों की हत्या करने का भी मामला दर्ज होना चाहिए पर मालिक ही बचाए इनको क्योंकि यहां पर वह भूमाफिया अभी है यह लोग पैसे वाले होते हैं पैसा देकर किसी को भी खरीद लेते हैं इसलिए शहर का भला नहीं होगा इस अवसर पर उपखंड कार्यालय में उपखंड अधिकारी नीरज मिश्रा के कार्यालय में पेश होकर राष्ट्रीय पर्यावरण प्रेमी ओम प्रकाश कुमावत अशोक सोनी स्नेक लवर एनिमल हेल्प रेस्क्यू टीम के अध्यक्ष महिपाल रावल चंद्रवीर किशोर परिहार

उपस्थित होकर विशाल हरे भरे बरगद पेड की हत्या करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की गई है उपखंड अधिकारी मिश्राजी ने आश्वासन किया कि इसकी जांच करवा कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी उनके पास बैठे तहसीलदार महोदय चारण साहब ने भी आश्वासन किया कि जल्दी ही इसकी जांच करवा कर दोशीओ कै विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी इस मौके पर स्थानीय वार्ड पार्षद सीमा देवी माली ने कहां की इस हरे भरे बरगद के पेड़ की हत्या की गई है अगर इसकी जांच उच्च स्तरीय करवाई जाए वह पर्यावरण प्रेमियों द्वारा इसकी जांच करवाई जाए तो पता चल जाएगा कि इस हरे पेड़ जिसकी पूरा तन्हा इसका हरा भरा था जगह-जगह से दूध निकल रहा था फिर भी हत्यारे ने इसकी हत्या कर दी पेड कितना परेशान हुआ होंगा क्योंकि इस पेड़ के ऊपर सैकड़ो पशु पक्षी रहते थे उनका परिवार नष्ट करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही करनी चाहिए पर दोषीयो को जेल भेज देना चाहिए।

अज्ञात बदमाशों ने दो मोटरसाइकिल जलाई मौहल्ले वासियों में खौफ व आक्रोश

नही रूक रही है पुलिस प्रशासन से आगजनी बडी घटना का इन्तजार कर रहे है।

द पुलिस पोस्ट

सिरोही - निकटवर्ती पोसालिया के शासनिक राव समाज मौहल्ले की गली में धन तेरस की रात अज्ञात बदमाशों ने दो मोटरसाइकिल जला दी भंवरसिंह भीमसिंह राव के घर के बाहर दो मोटरसाइकिल खड़ी थी। रात्रि में लगभग 2 बजे से 2-30 बजे के बीच अज्ञात बदमाशों ने मोटरसाइकिल को आग लगा दी।आग की लपटे बड़ी होने से रात में सामने के मकान में सो रही वृद्धा ने अपनी बेटी को

जगाकर बताया। बेटी ने दरवाजा खोलकर मौहल्ले वासियों व भंवरसिंह को जगाया सभी ने पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की।तब तक एक मोटरसाइकिल पूरी तथा दूसरी आधी जल चुकी थी देर रात सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची घटना से गांव व मौहल्ले में सनसनी फैल गई है। मौहल्ले वासियों में खौफ तथा आक्रोश चरम पर है।इस प्रकार की वारदातें होने से ग्रामीणों में दहशत फैल रही है। बदमाशों के हौसले बुलंद होने से इस प्रकार की वारदातें हो रही है। गांव में दिन दहाड़े चोरी की वारदातें थमी नहीं है वाहनों के जलाने की घटना से गांववासी भयभीत हो रही है अपराधियों बदमाशों के हौसले बुलंद होने से गांव की शांति भी भंग हो रही है। गांव वासियों ने पुलिस प्रशासन से त्वरित कार्रवाई कर गांव वासियों को राहत देने की गुहार लगाई है पुलिस प्रशासन की लापरवाही कहो या नही सभल रहा है पोसालिया आए दिन घटना होती रहती है क्या होगा आम जनता-जनार्दन का क्यू की कारवाई नही होगी तो चोर हत्यारे लुटेरे सतर्क रहेगे।

वारदात में नाबालिग को रखता था साथ:

सीसीटीवी फुटेज से पकड़े गए, शातिर मोबाइल स्नेचर गिरफ्तार

जयपुर जयपुर में मालपुरा गेट थाना पुलिस ने एक शातिर मोबाइल स्नेचर को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी के एक साथी नाबालिग को भी डिटेन किया है और उसे बाल सुधार गृह भेज दिया हैं। यूपी का रहने वाला कृष्णपाल (19) अपने साथ वारदात करने के लिए नाबालिग को रखता था। वह जानता था कि अगर उसे किसी ने पकड़ भी लिया तो कुछ महीनों की जेल होगी, जिसके बाद वह बाहर आ जाए। डीसीपी ईस्ट तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 28 अक्टूबर को आस मोहम्मद पुत्र रसीद मोहम्मद ने एक रिपोर्ट मालपुरा गेट थाने में दर्ज कराई। रिपोर्ट में उस ने बताया कि 12 अक्टूबर को रात करीब 9.45 पर वह मालपुरा गेट सांगानेर से खाना खाकर अपने घर मानसरोवर जा रहा था। 11 नम्बर बस स्टेण्ड पर अज्ञात बाइक सवार व्यक्ति मेरा मोबाइल छीन कर भाग गये। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस टीम ने क्राइम सीन के आसपास लगे हुए सीसीटीवी फुटेज खंगाले इस दौरान पुलिस को 2 युवकों की वीडियो मिली। फोटो को इलाके में सकुर्लेट की गई। मुखबिर से आरोपियों की

जानकारी सामने आई तो पुलिस ने दोनों डिटेन कर पूछताछ शुरू की। जिससे पता चला कि एक नाबालिग हैं, जिसे बाल सुधार गृह भेजा गया, वहीं दूसरे आरोपी को गिरफ्तार किया गया। वारदात करने वाला बदमाश कृष्ण पाल (19) पुत्र प्रवेश पाल निवासी नंगला खेरबन्द थाना फरुखार्बाद यूपी हाल निवासी नारायण विहार थाना मुहाना में रहता हैं। वहीं उसका दूसरे साथी नाबालिग से पुलिस ने लूटा गया मोबाइल रिकवर किया। आरोपी जिस बाइक पर वारदात करते थे उसे भी जब्त कर लिया गया हैं।

राजस्थान में गोधरा कांड के चैप्टर वाली किताबें वापस लीं:

स्कूलों में अब नहीं पढ़ाया जाएगा अध्याय; शिक्षा मंत्री बोले-कांग्रेस सरकार ने किया हत्यारों का महिमामंडन

द पुलिस पोस्ट

जयपुर राजस्थान में सरकारी स्कूलों की उन किताबों को वापस मंगवा लिया गया है, जिसमें 2002 में गुजरात के गोधरा कांड का जिक्र किया गया है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि पूर्व कांग्रेस सरकार के वक्त स्कूली बच्चों की किताबों में हत्यारों का महिमा-मंडन किया गया है। ऐसे में इस तरह की विवादित किताबों को फिर से मंगाया जाएगा ताकि बच्चे गलत शिक्षा हासिल ना करें। दरअसल, राजस्थान सरकार ने प्रदेश के सरकारी स्कूलों में वितरित की जा चुकी चार किताबों को वापस मंगवाने के आदेश जारी किए हैं। बता दें कि 'अदृश्य लोग- उम्मीद और साहस की कहानी' में '9 लंबे साल' नामक अध्याय में गोधरा कांड में ट्रेन में लगी आग को आतंकी साजिश बताया गया है। इसको लेकर अब बीजेपी सरकार ने पूर्व सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

शिक्षा मंत्री बोले- किताबों में अपराधी को अच्छा बताया गया

शिक्षा मंत्री का कहना है- जब इन किताबों को पढ़ा गया तो प?ता चला कि गोधरा में जो हुआ था, उसकी नेगेटिव जानकारी दी गई। किताबों में अपराधी को अच्छा बताया गया है। किताबों में गोधरा कांड के हत्यारों के महिमा मंडन का प्रयास किया गया है, जो सही नहीं है। ऐसे में विवादित किताब को वापस मंगा लिया गया है। अब बच्चे विवादित मुद्दों को नहीं पढ़ेंगे।

किताब को लिखने वाले हर्ष मन्दर पूर्व आईएएस हैं

जिस किताब को वापस लिया गया है, वह सामाजिक कार्यकर्ता हर्ष मन्दर ने लिखी है। वे मप्र-छत्तीसगढ़ कैडर के पूर्व आईएएस हैं। दो जिलों में कलेक्टर रह चुके हैं। गुजरात दंगों के बाद से ही उन्होंने आईएएस की नौकरी छोड़कर एनजीओ में काम करना शुरू किया था। पिछले साल केंद्रीय गृह मंत्रालय ने उनके खिलाफ सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। उन पर विदेशों से चंदा लेने के मामले में कानून का उल्लंघन करने का आरोप था। मन्दर 25 से ज्यादा किताबें लिख चुके हैं। किताबों को मंगवाने के पीछे तकनीकी कारणों का दिया हवाला राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद ने जिला शिक्षा अधिकारियों को कक्षा 9वीं से 12वीं तक पढ़ाई जा रही 'जीवन की बहार', 'चिट्ठी एक कुत्ता और उसका जंगल फॉर्म' और कक्षा 11वीं, 12वीं में पढ़ाई जा रही 'अदृश्य लोग-उम्मीद और साहस की कहानी' और 'जीवन की बहार' की सभी कॉपियों को वापस मंगवाने के निर्देश दिए हैं। हालांकि इन किताबों को वापस मंगवाने के पीछे विभाग ने तकनीकी कारणों का हवाला दिया है।

प्रकाश पर्व दीपावली

दीपावली का अर्थ है दीपों की पंक्ति। दीपावली शब्द 'दीप' एवं 'आवली' की संधिसे बना है। आवली अर्थात पंक्ति, इस प्रकार दीपावली शब्द का अर्थ है, दीपोंकी पंक्ति । भारतवर्षमें मनाए जानेवाले सभी त्यौहारों में दीपावलीका सामाजिक और धार्मिक दोनों दृष्टि से अत्यधिक महत्व है। इसे दीपोत्सव भी कहते हैं।

तमसो मा ज्योतिर्गमय अर्थात् 'अंधेरे से ज्योति अर्थात प्रकाश की ओर जाइए' यह उपनिषदों की आज्ञा है। इसे सिख, बौद्ध तथा जैन धर्म के लोग भी मनाते हैं। माना जाता है कि दीपावली के दिन अयोध्या के राजा श्री रामचंद्र अपने चौदह वर्ष के वनवास के पश्चात लौटे थे। अयोध्यावासियों का हृदय अपने परम प्रिय राजा के आगमन से उल्लसित था। श्री राम के स्वागत में अयोध्यावासियों ने घी के दीए जलाए । कार्तिक मास की सघन काली अमावस्या की वह रात्रि दीयों की रोशनी से जगमगा उठी। तब से आज तक भारतीय प्रति वर्ष यह प्रकाश-पर्व हर्ष व उल्लास से मनाते हैं। यह पर्व अधिकतर ग्रिगेरियन कैलन्डर के अनुसार अक्तूबर या नवंबर महीने में पड़ता है। दीपावली दीपों का त्योहार है। इसे दीवाली या दीपावली भी कहते हैं। दीवाली अँधेरे से रोशनी में जाने का प्रतीक है। भारतीयों का विश्वास है कि सत्य की सदा जीत होती है झूठ का नाश होता है। दीवाली यही चरितार्थ करती है- असतो माऽ सद्गमय , तमसो माऽ ज्योतिर्गमय। दीपावली स्वच्छता व प्रकाश का पर्व है। कई सप्ताह पूर्व ही दीपावली की तैयारियाँ आरंभ हो जाती है। लोग अपने घरों, दुकानों आदि की सफाई का कार्य आरंभ कर देते हैं। घरों में मरम्मत, रंग-रोगन,सफ़ेदी आदि का कार्य होने लगता हैं। लोग दुकानों को भी साफ़ सुथरा का सजाते हैं। बाज़ारों में गलियों को भी सुनहरी झंडियों से सजाया जाता है। दीपावली से पहले ही घर-मोहल्ले, बाज़ार सब साफ-सुथरे व सजे-धजे नज़र आते हैं।

दीप जलाने की प्रथा के पीछे अलग-अलग कारण या कहानियाँ हैं। राम भक्तों के अनुसार दीवाली वाले दिन अयोध्या के राजा राम लंका के अत्याचारी राजा रावण का वध करके अयोध्या लौटे थे। उनके लौटने कि खुशी मे आज भी लोग यह पर्व मनाते है। कृष्ण भक्तिधारा के लोगों का मत है कि इस दिन भगवान श्री कृष्ण ने अत्याचारी राजा नरकासुर का वध किया था। इस नृशंस राक्षस के वध से जनता में अपार हर्ष फैल गया और प्रसन्नता से भरे लोगों ने घी के दीए जलाए। एक पौराणिक कथा के अनुसार विंष्णु ने नरसिंह रुप धारणकर हिरण्यकश्यप का वध किया था तथा इसी दिन समुद्रमंथन के पश्चात लक्ष्मी व धन्वंतरि प्रकट हुए। जैन मतावलंबियों के अनुसार चौबीसवें तीर्थंकर महावीर स्वामी का निर्वाण दिवस भी दीपावली को ही है। सिक्खों के लिए भी दीवाली महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी दिन ही अमृतसर में 1577 में स्वर्ण मन्दिर का शिलान्यास हुआ था। और इसके अलावा 1619 में दीवाली के दिन सिक्खों के छठे गुरु हरगोबिन्द सिंह जी को जेल से रिहा किया गया था। नेपालियों के लिए यह त्योहार इसलिए महान है क्योंकि इस दिन से नेपाल संवत में नया वर्ष शुरू होता है।

पंजाब में जन्मे स्वामी रामतीर्थ का जन्म व महाप्रयाण दोनों दीपावली के दिन ही हुआ। इन्होंने दीपावली के दिन गंगातट पर स्नान करते समय ओम कहते हुए समाधि ले ली। महर्षि दयानन्द ने भारतीय संस्कृति के महान जननायक बनकर दीपावली के दिन अजमेर के निकट अवसान लिया। इन्होंने आर्य समाज की स्थापना की। दीन-ए-इलाही के प्रवर्तक मुगल सम्राट अकबर के शासनकाल में दौलतखाने के सामने 40 गज ऊँचे बाँस पर एक बड़ा आकाशदीप दीपावली के दिन लटकाया जाता था। बादशाह जहाँगीर भी दीपावली धूमधाम से मनाते थे। मुगल वंश के अंतिम सम्राट बहादुर शाह जफर दीपावली को त्योहार के रूप में मनाते थे और इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में वे भाग लेते थे। शाह आलम द्वितीय के समय में समूचे शाही महल को दीपों से सजाया जाता था एवं लालकिले में आयोजित कार्यक्रमों में हिन्दू-मुसलमान दोनों भाग लेते थे।

पर्वों का समूह दीपावली

दीपावली के दिन भारत में विभिन्न स्थानों पर मेले लगते हैं। दीपावली एक दिन का पर्व नहीं अपितु पर्वों का समूह है। दशहरे के पश्चात ही दीपावली की तैयारियाँ आरंभ हो जाती है। लोग नए-नए वस्त्र सिलवाते हैं। दीपावली से दो दिन पूर्व धनतेरस का त्योहार आता है। इस दिन बाज़ारों में चारों तरफ़ जनसमूह उमड़ पड़ता है। बरतनों की दुकानों पर विशेष साज-सज्जा व भीड़ दिखाई देती है। धनतेरस के दिन बरतन खरीदना शुभ माना जाता है अतैव प्रत्येक परिवार अपनी-अपनी आवश्यकता अनुसार कुछ न कुछ खरीदारी करता है। इस दिन तुलसी या घर के द्वार पर एक दीपक जलाया जाता है। इससे अगले दिन नरक चतुर्दशी या छोटी दीपावली होती है। इस दिन यम पूजा हेतु दीपक जलाए जाते हैं। अगले दिन दीपावली आती है। इस दिन घरों में सुबह से ही तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं। बाज़ारों में खील-बताशे , मिठाइयाँ ,खांड़ के खिलौने, लक्ष्मी-गणेश आदि की मूर्तियाँ बिकने लगती हैं। स्थान-स्थान पर आतिशबाजी और पटाखों की दूकानें सजी होती हैं। सुबह से ही लोग रिश्तेदारों, मित्रों, सगे-संबंधियों के घर मिठाइयाँ व उपहार बाँटने लगते हैं। दीपावली की शाम लक्ष्मी और गणेश जी की पूजा की जाती है। पूजा के बाद लोग अपने-अपने घरों के बाहर दीपक व मोमबत्तियाँ जलाकर रखते हैं। चारों ओर चमकते दीपक अत्यंत सुंदर दिखाई देते हैं। रंग-बिरंगे बिजली के बल्बों से बाज़ार व गलियाँ जगमगा उठते हैं। बच्चे तरह-तरह के पटाखों व आतिशबाज़ियों का आनंद लेते हैं। रंग-बिरंगी फुलझड़ियाँ, आतिशबाज़ियाँ व अनारों के जलने का आनंद प्रत्येक आयु के लोग लेते हैं। देर रात तक कार्तिक की अँधेरी रात पूर्णिमा से भी से भी अधिक प्रकाशयुक्त दिखाई पड़ती है। दीपावली से अगले दिन गोवर्धन पर्वत अपनी अँगुली पर उठाकर इंद्र के कोप से डूबते ब्रजवासियों को बनाया था। इसी दिन लोग अपने गाय-बैलों को सजाते हैं तथा गोबर का पर्वत बनाकर पूजा करते हैं। अगले दिन भाई दूज का पर्व होता है। दीपावली के दूसरे दिन व्यापारी अपने पुराने बहीखाते बदल देते हैं। वे दूकानों पर लक्ष्मी पूजन करते हैं। उनका मानना है कि ऐसा करने से धन की देवी लक्ष्मी की उन पर विशेष अनुकंपा रहेगी।

परंपरा

अंधकार पर प्रकाश की विजय का यह पर्व समाज में उल्लास, भाई-चारे व प्रेम का संदेश फैलाता है। यह पर्व सामूहिक व व्यक्तिगत दोनों तरह से मनाए जाने वाला ऐसा विशिष्ट पर्व है जो धार्मिक, सांस्कृतिक व सामाजिक विशिष्टता रखता है। हर प्रांत या क्षेत्र में दीवाली मनाने के कारण एवं तरीके अलग हैं पर सभी जगह कई पीढ़ियों से यह त्योहार चला आ रहा है। लोगों में दीवाली की बहुत उमंग होती है। लोग अपने घरों का कोना-कोना साफ़ करते हैं, नये कपड़े पहनते हैं। मिठाइयों के उपहार एक दूसरे को बाँटते हैं, एक दूसरे से मिलते हैं। घर-घर में सुन्दर रंगोली बनायी जाती है, दिये जलाए जाते हैं और आतिशबाजी की जाती है। बड़े छोटे सभी इस त्योहार में भाग लेते हैं। अंधकार पर प्रकाश की विजय का यह पर्व समाज में उल्लास, भाई-चारे व प्रेम का संदेश फैलाता है। हर प्रांत या क्षेत्र में दीवाली मनाने के कारण एवं तरीके अलग हैं पर सभी जगह कई पीढ़ियों से यह त्योहार चला आ रहा है।

।। लक्ष्मी चालीसा ।।

दोहा

मातु लक्ष्मी करि कृपा करो हृदय में वास।
मनोकामना सिद्ध कर पुरवहु मेरी आस॥
सिंधु सुता विष्णुप्रिये नत शिर बारंबार।
ऋद्धि सिद्धि मंगलप्रदे नत शिर बारंबार॥ टेक॥

सोरठा

यही मोर अरदास, हाथ जोड़ विनती करूं।
सब विधि करौ सुवास, जय जननि जगदंबिका॥

॥ चौपाई ॥

सिन्धु सुता मैं सुमिरौं तोही। ज्ञान बुद्धि विद्या दो मोहि॥
तुम समान नहिं कोई उपकारी। सब विधि पुरबहु आस हमारी॥
जै जै जगत जननि जगदम्बा। सबके तुमही हो स्वलम्बा॥
तुम ही हो घट घट के वासी। विनती यही हमारी खासी॥
जग जननी जय सिन्धु कुमारी। दीनन की तुम हो हितकारी॥
विनवौं नित्य तुमहिं महारानी। कृपा करौ जग जननि भवानी।
केहि विधि स्तुति करौं तिहारी। सुधि लीजै अपराध बिसारी॥
कृपा दृष्टि चितवो मम ओरी। जगत जननि विनती सुन मोरी॥
ज्ञान बुद्धि जय सुख की दाता। संकट हरो हमारी माता॥
क्षीर सिंधु जब विष्णु मथायो। चौदह रत्न सिंधु में पायो॥
चौदह रत्न में तुम सुखरासी। सेवा कियो प्रभुहिं बनि दासी॥
जब जब जन्म जहां प्रभु लीन्हा। रूप बदल तहं सेवा कीन्हा॥
स्वयं विष्णु जब नर तनु धारा। लीन्हेउ अवधपुरी अवतारा॥
तब तुम प्रकट जनकपुर माहीं। सेवा कियो हृदय पुलकाहीं॥
अपनायो तोहि अन्तर्यामी। विश्व विदित त्रिभुवन की स्वामी॥
तुम सब प्रबल शक्ति नहिं आनी। कहं तक महिमा कहौं बखानी॥
मन क्रम वचन करै सेवकाई। मन- इच्छित वांछित फल पाई॥
तजि छल कपट और चतुराई। पूजहिं विविध भांति मन लाई॥
और हाल मैं कहौं बुझाई। जो यह पाठ करे मन लाई॥
ताको कोई कष्ट न होई। मन इच्छित फल पावै फल सोई॥
त्राहि- त्राहि जय दु:ख निवारिणी। त्रिविध ताप भव बंधन हारिणि॥
जो यह चालीसा पढ़े और पढ़ावे। इसे ध्यान लगाकर सुने सुनावै॥
ताको कोई न रोग सतावै। पुत्र आदि धन सम्पत्ति पावै।
पुत्र हीन और सम्पत्ति हीना। अन्धा बधिर कोढ़ी अति दीना॥
विप्र बोलाय कै पाठ करावै। शंका दिल में कभी न लावै॥
पाठ करावै दिन चालीसा। ता पर कृपा करैं गौरीसा॥
सुख सम्पत्ति बहुत सी पावै। कमी नहीं काहू की आवै॥
बारह मास करै जो पूजा। तेहि सम धन्य और नहिं दूजा॥
प्रतिदिन पाठ करै मन माहीं। उन सम कोई जग में नाहिं॥
बहु विधि क्या मैं करौं बड़ाई। लेय परीक्षा ध्यान लगाई॥
करि विश्वास करैं व्रत नेमा। होय सिद्ध उपजै उर प्रेमा॥
जय जय जय लक्ष्मी महारानी। सब में व्यापित जो गुण खानी॥
तुम्हरो तेज प्रबल जग माहीं। तुम सम कोउ दयाल कहूं नाहीं॥
मोहि अनाथ की सुधि अब लीजै। संकट काटि भक्ति मोहि दीजे॥
भूल चूक करी क्षमा हमारी। दर्शन दीजै दशा निहारी॥
बिन दरशन व्याकुल अधिकारी। तुमहिं अक्षत दु:ख सहते भारी॥
नहिं मोहिं ज्ञान बुद्धि है तन में। सब जानत हो अपने मन में॥
रूप चतुर्भुज करके धारण। कष्ट मोर अब करहु निवारण॥
कहि प्रकार मैं करौं बड़ाई। ज्ञान बुद्धि मोहिं नहिं अधिकाई॥
रामदास अब कहाई पुकारी। करो दूर तुम विपति हमारी॥

दोहा

त्राहि त्राहि दु:ख हारिणी हरो बेगि सब त्रास।
जयति जयति जय लक्ष्मी करो शत्रुन का नाश॥
रामदास धरि ध्यान नित विनय करत कर जोर।
मातु लक्ष्मी दास पर करहु दया की कोर॥

।। इति लक्ष्मी चालीसा संपूर्णम।।

दीपावली की रात देवी लक्ष्मी की पूजा क्यों?

भारतीय कालगणना के अनुसार 14 मनुओं का समय बीतने और प्रलय होने के पश्चात् पुनर्निर्माण तथा नई सृष्टि का आरंभ दीपावली के दिन ही हुआ माना जाता है। नवारंभ के कारण कार्तिक अमावस्या को कालरात्रि भी कहा जाने लगा है। इस दिन सूर्य अपनी सातवीं अर्थात् तुला राशि में प्रवेश करता है तथा उत्तरार्द्ध का आरंभ होता है। अत: कार्तिक मास की पहली अमावस्या ही नई शुरुआत और नव निर्माण का समय होता है। जीविद्यार्णव तंत्र में कालरात्रि को शक्ति रात्रि की संज्ञा दी गई है। कालरात्रि को शत्रु विनाशक माना गया है, साथ ही शुभत्व का प्रतीक, सुख-समृद्धि प्रदान करने वाला माना गया है। एक मान्यता के अनुसार यह मां लक्ष्मी का जन्म दिवस का भी है। कुछ स्थानों पर कोजागरा को देवी लक्ष्मी का जन्म दिवस माना जाता है।

दीपावली के त्योहार का विशेष महत्व है। इन दिन धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। माना जाता है कि इस दिन समृद्धि प्राप्ति के लिए किया गया कोई भी उपाय ज्यादा फलदायी होता है। इस बार धनत्रयोदशी और दीपावली पर समृद्धि प्राप्ति के लिए इन उपायों को भी करके देखें

दीपावली समृद्धि के उपाय

- प्रात:काल उठकर सर्वप्रथम अपनी हथेलियों के दर्शन की आदत डालें। यह एक शुभ क्रिया है। इसे करने से आपको शुभ ऊर्जा प्राप्त होगी।
- धनतेरस और दीपावली के दिन रसोई में जो भी भोजन बना हो, सर्वप्रथम उसमें से गाय के लिए कुछ भाग अलग कर दें। यदि नित्य यह करें तो सर्वश्रेष्ठ है।
- धनतेरस के दिन प्राणप्रतिष्ठित दक्षिणावर्ती शंख प्राप्त कर लें। पूजन के उपरांत उसके चारों तरफ अपनी राशि के अनुकूल मंत्र अष्टगंध से लिखें। इससे धन प्राप्ति के योग बनेंगे।
- धनतेरस को बहेड़े की जड़ और शंखपुष्पी की जड़ लाकर चांदी के डिब्बे में रखकर लक्ष्मीजी के साथ पूजन करें। धन लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा।
- धनतेरस को ऐसे पेड़ की टहनी तोड़ कर लाएं, जिस पर चमगादड़ रहते हों। इसे अपने बैठने की जगह के पास रखें, लाभ होगा।
- दीपावली के दिन किसी भी मंदिर में केले के दो पौधे लगाएं। इन पौधों की समय-समय पर देखभाल करते रहें। इनके बगल में कोई सुगंधित फूल का पौधा लगाएं। केले का पौधा जैसे-जैसे बड़ा होगा, आपके आर्थिक लाभ की राह प्रशस्त होगी।
- दीपावली के दिन लक्ष्मी पूजन के बाद दक्षिणावर्ती शंख में लक्ष्मी मंत्र का जाप करते हुए चावल के अक्षत दाने व लाल गुलाब की पंखुडियां डालें। ऐसा करने से समृद्धि का योग बनेगा।
- दीपावली के दिन लक्ष्मी पूजन के बाद लक्ष्मी या किसी भी देवी को लौंग अर्पित करें। यह प्रक्रिया दीपावली के बाद भी चलने दें। आर्थिक लाभ होता रहेगा।
- मोती शंख में गुलाबजल मिश्रित जल भरकर रसराज पारद श्रीयंत्र का अभिषेक लक्ष्मी मंत्रों या श्रीसूक्त से करें। वर्ष भर धन प्राप्ति के नए-नए विचार आते रहेंगे।
- धनत्रयोदशी पर श्वेत पदार्थों का दान करने से आर्थिक लाभ का योग बनता है।
- शाम को सूर्योदय के बाद घर में झाड़ू-पोंछा न करें। यह समृद्धि के लिए शुभ नहीं है।
- घर की दीवारों और भूमि पर पेन, पेंसिल या चॉक के निशान न बनने दें। इससे कर्ज़ का बोझ बढ़ता है।
- दीपावली पर किसी गरीब, दुखी, असहाय रोगी को आर्थिक सहायता दें। इसा करने से आपकी उन्नती होगी।
- दिवाली के दिन किसी किन्नर को धन दान करें और उससे उसमें से कुछ पैसे वापस अनुरोध करके प्राप्त कर लें। उन पैसे को श्वेत वस्त्र में लपेट कर कैश बॉक्स में रख लें, लाभ होगा।

31 अक्टूबर या 1 नवंबर, कब मनाएं दिवाली?

हिंदू धर्म में दिवाली के पर्व का विशेष महत्व है. प्रत्येक वर्ष कार्तिक माह की अमावस्या तिथि को दिवाली मनाई जाती है. लेकिन इस बार लोगों में दिवाली की तारीख को लेकर भारी संशय बना हुआ है. कोई कह रहा है, दीपावली 31 अक्टूबर को है तो कुछ लोग 01 नवंबर को दिवाली मनाने की बात कर रहे हैं. तो आइए जानते हैं कि दिवाली की सही तारीख क्या है.

हर साल की तरह कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को दीपावली का त्योहार मनाया जाता है. दिवाली पर लक्ष्मी पूजा का विशेष विधान है. इस दिन संध्या और रात्रि के समय शुभ मुहूर्त में मां लक्ष्मी विघ्नहर्ता भगवान गणेश और माता सरस्वती की पूजा और आराधना की जाती है. पुराणों के अनुसार, कार्तिक अमावस्या की अंधेरी रात में महालक्ष्मी स्वयं भूलोक पर आती हैं और हर घर में विचरण करती हैं. इस बार दिवाली की तिथि को लेकर लोग असमंजस में हैं. कुछ लोगों का मानना है कि दिवाली 31 अक्टूबर को है तो कुछ लोग 1 नवंबर को दिवाली मनाने की सलाह दे रहे हैं. अक्सर पर्व की सही तिथियों को लेकर किसी ना किसी कारण से लोगों में मतभेद और कंफ्यूजन बना रहता है. तो आइए ज्योतिर्विदों से जानते हैं कि दिवाली की सही तिथि या डेट क्या होगी, साथ ही जानते हैं कि दिवाली के दिन मां लक्ष्मी-गणेश जी के पूजन का मुहूर्त क्या रहेगा और दिवाली की पूजन विधि क्या होगी.

दीपावली का त्योहार कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को मनाया जाता है. इस बार कार्तिक अमावस्या तिथि 31 अक्टूबर को दोपहर 3 बजकर 52 मिनट पर शुरू होगी और तिथि का समापन 1 नवंबर को शाम 6 बजकर 16 मिनट पर होगा. ऐसे में अमावस्या की तिथि के अनुसार कुछ विद्वान या पंडित दिवाली 31 अक्टूबर को मनाने की सलाह दे रहे हैं तो वहीं कुछ 1 नवंबर को दिवाली मनाने के पक्ष में हैं.

चिंतन

प्रदूषण मुक्त दिवाली मनाएं सभी देशवासी

भारत में दीपोत्सव कई मायनों में अहम स्थान रखता है। यह एक साथ सांस्कृतिक, सामाजिक, आध्यात्मिक और आर्थिक महत्व का त्योहार है। यह पांच हजार वर्ष से भी अधिक पुरानी हिंदू संस्कृति का प्रतीक पर्व है, जिसमें अंधकार से प्रकाश की ओर अग्रसर होने का संदेश है। धार्मिक मान्यता है कि इसी दिन भगवान राम रावण पर विजय प्राप्त कर अयोध्या लौटे थे। उनके स्वागत में समूची अयोध्या नगरी में दीप जलाया गया था। तबसे दीपावली मनाई जाती है। यह भारतीय समाज को एकसूत्र में बांधकर रखने का सामाजिक पर्व भी है, जिसमें बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश है। लक्ष्मी पूजन से जुड़ा दिवाली आध्यात्मिक पर्व है, जिसमें आत्मिक उन्नति व मानवीय बुराई को खत्म करने का संदेश है। दीपावली भगवान बुद्ध परंपरा का उत्सव भी है, जिसमें अप्प दीपो भव के सूत्र से अपना दीपक स्वयं बनो का संदेश है। हर इंसान को अपना मार्गदर्शक खुद बनना चाहिए। सिख परंपरा में भी प्रकाशोत्सव का महत्वपूर्ण स्थान है, जिसमें सामाजिक एकता व भाईचारे का संदेश है। धनतेरस से शुरू व भैयादूज तक खत्म पंचोत्सव के रूप में प्रसिद्ध दीपावली के दौरान लोग सोना, चांदी से लेकर घरों में व व्यक्तिगत प्रयोग की अनेक वस्तुओं की खरीदारी करते हैं, इसलिए इस पर्व का महत्व आर्थिक रूप से भी बढ़ गया है। यह सभी प्रकार के व्यसनों को त्यागने का पर्व है। देश के लिए भी यह दीपावली खास है। भारत व चीन के बीच डेपसांग व डेमचौक सीमा पर दोनों ओर से सैनिक पीछे हट गए हैं और सीमा पर गलवान घटना से पूर्व की स्थिति बन गई है। इसे एलएसी पर सैन्य तनाव में कमी की शुरुआत मानी जा सकती है। हालांकि अभी भारत व चीन के बीच सीमा विवाद जटिल बना हुआ है। दीपावली पर अयोध्या में 25 लाख से अधिक दीपक प्रज्ज्वलित कर विश्व रिकार्ड बना है। नए राम मंदिर में भी यह पहली दीपावली है। दिवाली में साफ-सफाई का विशेष महत्व है। मोदी सरकार ने इसे ध्यान में रखकर स्वच्छ भारत अभियान शुरू किया था, इस वर्ष इसे दस वर्ष पूरे हुए हैं। सार्वजनिक स्वच्छता के प्रति राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता बढ़ी है, लेकिन अभी भी देशभर में पब्लिक प्लेस पर गंदगी का आलम बरकरार है और सफाईकर्मियों की दशा में विशेष सुधार नहीं हुआ है। अगर हमें स्वच्छता को राष्ट्रीय अभियान बनाना है तो यह सफाईकर्मियों की दशा सुधारे बिना संभव नहीं है। सरकार को इनकी दशा सुधारने का प्रयास करना चाहिए। दीपावली पर्यावरण संरक्षण व ऋतु परिवर्तन का भी पर्व है। शरद ऋतु का आगमन हो गया है। पर्यावरण सुरक्षा अभी वैश्विक मुद्दा बना हुआ है। जलवायु संकट के चलते पृथ्वी पर तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे अत्यधिक गर्मी पड़ रही है। गर्मी जनित रोग भी बढ़ रहे हैं। मानव जीवन की सुरक्षा के लिए जरूरी है कि हम धरती को प्रदूषण से बचाएं। दिवाली पर अगर हम पटाखे न जलाएं तो प्रदूषण कम करने में हम सबका योगदान हो सकता है। यह पर्व सामाजिक सौहार्द का भी है, देश की राजनीति ने सामाजिक विभाजन बढ़ाया है, यह जरूरी है कि राजनीति के स्तर में सुधार हो और विभाजनकारी स्थितियों का अंत हो। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने अपने दिवाली संदेश में सामाजिक सदभाव बढ़ाने, वंचितों व जरूरतमंदों के साथ खुशियां साझा करने, मानवता, प्रेम व करुणा को जीवन में अपनाने, स्वस्थ, जिम्मेदार व सुखी नागरिक बनने व प्रदूषण मुक्त दीपोत्सव मनाने के लिए कहा है। इन्हें हम अपनाएं। इस दीपावली पर हम एक खुशहाल परिवार, समाज व राष्ट्र बनाने का संकल्प लें।

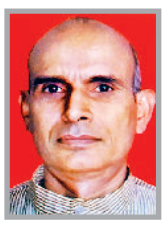

दिवाली विशेष

अखिलेश आर्येन्दु

सौहार्द और वैभव की प्रेरक दीपावली

दीपावली का ताल्लुक वैदिक धर्म, अध्यात्म और मूल्यपरक संस्कृति से है। इसलिए यह मानव मात्र के लिए है किसी खास जाति या धर्म की प्रतिनिधि नहीं है। तमसो मां ज्योतिर्गमय के रास्ते पर चलने की प्रेरणा मानव को सनातन से मिलती रही है। यह सनातनता इंसानी जिंदगी को रोशन कर उसे ज्ञान-विज्ञान की तरफ ले चलने का कार्य करती रही है। यह सनातनता कृषि जीवन का अहम हिस्सा रही है। इसमें वह दीप है जो घर के अंधियारे को खत्म कर रोशन करने का कार्य ही नहीं करता है, बल्कि धन, वैभव, उत्साह, धैर्य, धर्म (कर्तव्य) से विमुख न होने का प्रतीक भी है। जीवन का सच यही है कि आलोक और सत्य के बिना जीवन अधूरा है।

भारत की सांस्कृतिक परंपरा में मनाए जाने वाले सभी पर्व और उत्सव भारतीय कृषि संस्कृति से ताल्लुक रखते हैं। सभी त्योहार व्यक्ति, समाज और समुदायों को किसी न किसी रूप में सीख और ज्ञान देने का कार्य करते हैं। ऐसा ही सीख देने वाला त्योहार दीपावली है- जो हर तरह के अंधकार से निकल कर प्रकाश की तरफ बढ़ने की प्रेरणा और संकल्पबद्ध होने की सीख देता है। दीपावली का ताल्लुक वैदिक धर्म, अध्यात्म और मूल्यपरक संस्कृति से है। इसलिए यह मानव मात्र के लिए है किसी खास जाति या धर्म की प्रतिनिधि नहीं है। तमसो मां ज्योतिर्गमय के रास्ते पर चलने की प्रेरणा मानव को सनातन से मिलती रही है। यह सनातनता इंसानी जिंदगी को रोशन कर उसे ज्ञान-विज्ञान की तरफ ले चलने का कार्य करती रही है। यह सनातनता कृषि जीवन का अहम हिस्सा रही है। इसमें वह दीप है जो घर के अंधियारे को खत्म कर रोशन करने का कार्य ही नहीं करता है, बल्कि धन, वैभव, उत्साह, धैर्य, धर्म (कर्तव्य) से विमुख न होने का प्रतीक भी है। दीपावली पर यह नन्हा सा माटी का दीया डेहरी पर जला, खेत में जला और आंगन में जला और यही दीया जब मन के एक कोने में जब जला, सारा जीवन रोशनी से भर गया। तब लगता है कि जीवन का सच यही है कि आलोक और सत्य के बिना जीवन अधूरा है।

इस तरह हम पाते हैं, दीपावली जीवन को आलोक से पूर्ण कर तमस का समूल नाश करने का संकल्प दिवस भी है। और मन का संकल्प जाग उठता है फिर कह उठता है- जलाओ ज्ञान दीप मन आज। छोड़ दे जीवन के भाग-दौड़ व सारे कलुषित काज। और इस साधारण से दिखाई पड़ने वाले दीपोत्सव का इंतजार इस कदर पूरे एक साल। कभी अपने आपसे पूछिए। क्यों दिवाली का इंतजार इस कदर, क्या पटाखे छुड़ाने, उपहार लेने-देने, व्यापार को बढ़ाने या ज्ञान की देवी का आराधना और जागरण कर चेतना की पूर्णता की लिए, बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण से भरे वातावरण में केवल एक दीप। पौराणिक संदर्भों पर नज़र डालते हैं तो लगता हहै कि दीपावली मानव सभ्यता, संस्कृति की निर्मात्री बनकर मानव को अंधकार से प्रकाश और असत्य से सत्य, पुरातनता से चिर नवीनता के भाव बोध की ओर ले चलने के लिए हमेशा प्रेरित करती आई है। यही कारण है विश्व मानव किसी न किसी दिन, किसी न किसी खास अवसर पर दीप जलाकर प्रकाश को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संकल्प लेता है। इसलिए दीपावली अमर है और मानव सभ्यता संस्कृति के साथ अमर रहेगी। दिवाली के मूल रहस्य और भाव को यदि समझने की कोशिश करें तो पता चलता है, जीवन पूर्णता की ओर वैसे बढ़ता जाएगा जैसे दीपावली का दीप रातभर जलते-जलते सवेरा होते ही पूर्णता को प्राप्त हो जाता है। प्रकृति माता की गोद में दीप इठलाता है लेकिन अपना छोटा सा अवदान देकर इतराता नहीं। आलोक का मूल्यांकन दीप और सूर्य के अवदान से नहीं बल्कि उनके संकल्प से करना चाहिए। रातभर प्रकृति माता से विनम्र भाव से दीप प्रार्थना करता रहा- मां, मैं बहुत छोटा दीप जरूर हूं लेकिन मैं अंधकार को परास्त करने का व्रत लेकर आया हूं। मानव ने जब दीप का संकल्प सुना उसे लज्जा आई। उसने तो

अंधकार और गंदगियों को दूर करने का कभी व्रत लिया ही नहीं। आज वह स्वच्छता और प्रकाश को जीवन का हिस्सा बनाने का व्रत लेगा और अंधकार को परास्त करके रहेगा। आज ऐसे ही तमाम सभ्यता और संस्कृति के प्रतीक दीपों को जलाने की जरूरत महसूस की जा रही है, जो आत्मदीपों भव के लिए हमारी अंतर्चेतना को प्रकाशित कर सकें। प्रकाश का यह पावन उत्सव हमारे जीवन का सबसे जीवंत और अखंड उत्सव है। इस उत्सव को हम महज पटाखे फोड़कर प्रदूषण बढ़ाकर या मंहगे बिजली के झालरों को सजाकर पूर्ण न मान लें बल्कि इसकी उत्सवधर्मिता को समझने की कोशिश करें, तो दीपावली अपने पूर्व स्वरूप को ग्रहणकर अपनी सार्थकता को हासिल कर सकती है। जिस दीपक को हम जलाते हैं वह हमारे ज्ञान का प्रतीक है।

ज्ञान से अज्ञानता का नाश होता है। ज्ञान को सत्य माना गया है। लेकिन केवल सत्य से ज्ञान पूर्ण नहीं बनता है बल्कि इसमें सौंदर्य और शुभत्व भी होना चाहिए। लक्ष्मी के साथ सरस्वती का वैर भले बताया जाता हो लेकिन इस बात को कौन झुठला सकता है कि लक्ष्मी तभी फलदायी होती है जब सरस्वती का फलभोग किया जाता है। यानी अर्थ का सदुपयोग बिना विद्या यानी ज्ञान के नहीं हो सकता है। जिस जगह धन के साथ अविद्या यानी भ्रष्टाचार व कदाचार हावी रहते हैं, उस धन का नाश होने में कितना वक्त लगता है। इसलिए लाभ के साथ हमारी परंपरा में शुभ भी लिखा जाता है। पहले शुभ, फिर लाभ। ऐसा लाभ कभी फलदायी नहीं होता जहां पर शुभ न हो। इसका बहुत बड़ा दर्शन है। इसे हमें आज समझने की जरूरत है। 12 नवम्बर 1947 को गांधीजी ने प्रार्थना सभा के बाद के अपने उद्बोधन में कहा था-हम दीपावली का उत्सव मनाते हैं।

इसका मतलब यह हुआ कि हमने कुछ अच्छा कार्य कर लिया है। जिस राम-रावण के युद्ध के बाद राम की विजय हुई और रावण की हार हुई, उसको हमें समझने की जरूरत है। राम दैवीय सम्पदा के प्रतीक हैं और रावण आसुरी। राम के पास कुछ भी नहीं था लेकिन उनके पास दैवीय सम्पत्ति भरी हुई थी। रावण के पास सब कुछ था लेकिन उसके पास आसुरी सम्पत्ति भरी हुई थी। दैवीय सम्पत्ति के मालिक राम की विजय का मतलब है कि हमें भी अपने अंदर आसुरी सम्पत्ति के ऊपर दैवीय सम्पत्ति की विजय पानी चाहिए। आज न तो राम हैं और न तो रावण ही। लेकिन दोनों के कार्य हमारे बीच आज भी मौजूद हैं। हमें दीपावली को उसी रूप में मनाना चाहिए जिससे हमारे अंदर दैवीय सम्पत्ति बढ़े और आसुरी सम्पत्ति का नाश हो सके। दीपावली हमारे लिए ज्ञान-विचार उत्सव का महापर्व है जहां हमको अपने अंदर ही नहीं समाज और संस्कृति में बढ़ रहे अंधेरे को नाश करने के लिए आत्मदीप जलाने का संकल्प लेना चाहिए। इससे परिवार, वातावरण और समाज में एक नई रोशनी हो सकेगी। हे ग्राम देवता नमस्कार कविता लिखने वाले डा. राम कुमार वर्मा ने किसान का अभिवादन उसके श्रम, सच्चाई और तपस्या पूर्ण जीवन को देखकर किया रहा होगा और कवि हरिवंश राय बच्चन ने जीवन पथ को आलोकित करने के लिए जीवन की मधुशाला और समाज के हर गली-चौबारे पर दीप जलाने के लिए प्रेरित करते हैं तो कवि गोपालदास नीरज दीप जलाना ही काफी नहीं मानते बल्कि अंधेरा हटा कि नहीं, इस पर गौर करते रहना भी जरूरी मानते हैं। दीप के प्रति हमारा अभिवादन कविता में ही सिमट कर न रह जाए।

देखना यह भी है कि आजादी के 77 वर्ष बाद भी समाज, संस्कृति और राजनीति में फैले अंधेरे के प्रति लोगों में जागृति क्यों नहीं आई। सोचना यह भी कि क्या दीपावली के दीये की रोशनी से ही समाज और संस्कृति में फैले अंधेरे को हटाया जा सकता है।

जयंती विशेष

श्वेता गोयल

गरीबों की सेवा को ईश्वर की सेवा मानते थे सरदार पटेल

राष्ट्रीय एकता की मिसाल रहे सरदार पटेल ने सदैव देशवासियों के लिए अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किए। समय-समय पर उन्होंने अपने वक्तव्यों द्वारा लोगों को आलस्य त्यागने, मेहनत करने, ईश्वर तथा सत्य में विश्वास रखने, अन्याय का डटकर मुकाबला करने जैसे प्रेरक संदेश दिए और देश के लिए कुछ अलग हटकर कार्य करने को प्रेरित किया। वे कहा करते थे कि जो काम कल करना है, उसकी बातों में ही आज का काम बिगड़ जाएगा और आज के काम के बिना कल का काम नहीं होगा, इसलिए आज का काम कीजिए तो कल का काम अपने आप हो जाएगा। कल हमें कोई मदद देने वाला है, यही सोचकर अगर आज बैठे रहे तो आज भी बिगड़ जाएगा और कल तो बिगड़ेगा ही।

कोशिश करना हमारा फर्ज है और अगर हम अपने फर्ज को ही पूरा न करें तो हम ईश्वर के गुनाहगार बनते हैं। कर्म पूजा है लेकिन हास्य जीवन है और जो कोई भी अपना जीवन बहुत गंभीरता से लेता है, उसे एक तुच्छ जीवन के लिए तैयार रहना चाहिए। पिछला दुखड़ा रोना कायरों का काम है और हिसाब लगाकर मुकाबले की तैयारी करना बहादुरों का काम है। कठिन समय में कायर लोग बहाना ढूंढ़ते हैं जबकि बहादुर व्यक्ति रास्ता खोज लेते हैं। उतावले उत्साह से बड़ा परिणाम निकलने की आशा नहीं रखनी चाहिए। सरदार पटेल कहते थे कि बेकार मत बैठिये क्योंकि बेकार बैठने वाला अपना ही सत्यानाश कर डालता है। रात-दिन कार्य करने वाला अपनी इंद्रियों को आसानी से वश में कर लेता है, इसलिए आलस्य छोड़िये। उनका कहना था कि अगर कोई चीज मुफ्त मिलती है तो उसकी कीमत कम हो जाती है जबकि परिश्रम से पाई हुई चीज की कीमत ठीक तरीके से लगाई जाती है। लोगों को मेहनत और कर्म करने के लिए प्रेरित करते हुए वह कहते थे कि यह सच है कि पानी में तैरने वाले ही डूबते हैं, किनारे पर खड़े रहने वाले नहीं लेकिन इससे भी बड़ा सच यह है कि किनारे पर ही खड़े रहने वाले लोग तैरना भी नहीं सीखते।

अहिंसा का समर्थन करते हुए सरदार पटेल का कहना था कि कायरों की अहिंसा का कोई मूल्य नहीं है। जो तलवार चलाना जानते हुए भी तलवार को म्यान में रखता है, उसी की अहिंसा सच्ची अहिंसा होती है। वह कहते थे कि आपकी अच्छाई आपके मार्ग में बाधक है, इसलिए अपनी आंखों को क्रोध से लाल होने दीजिए और अपने मजबूत हाथों से अन्याय का डटकर सामना कीजिए। लौहपुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल सदैव कहते थे कि गरीबों की सेवा ही ईश्वर की सेवा है। उनका कहना था कि हमारा सिर कभी न झुकने वाला होना चाहिए। हमें केवल भगवान के आगे झुकना चाहिए, दूसरों के आगे नहीं। जो कोई भी सुख और दुःख का समान रूप से स्वागत करता है, वास्तव में वही सबसे अच्छी तरह से जीवन जीता है।

हमें सदैव ईश्वर और सत्य में विश्वास रखकर प्रसन्न रहना चाहिए। यहां तक कि अगर हम हजारों की दौलत भी गंवा दें और हमारा जीवन बलिदान हो जाए तो भी हमें मुस्कुराते रहना चाहिए। बहुत बोलने से कोई लाभ नहीं होता बल्कि हानि ही होती है। हमें गम खाना सीखना चाहिए और मान-अपमान सहन करने की आदत डालनी चाहिए। सरदार पटेल को देश के छोटे से छोटे स्तर के व्यक्ति की भी कितनी चिंता थी, उसी को व्यक्त करते हुए उन्होंने एक बार कहा था कि उनकी एक ही इच्छा है कि भारत एक अच्छा उत्पादक हो और इस देश में कोई भी व्यक्ति अन्न के लिए आंसू बहाता हुआ भूखा न रहे। वह कहते थे कि हर इंसान सम्मान के योग्य है, जितना उसे ऊपर सम्मान चाहिए, उतना ही उसे नीचे गिरने का डर नहीं होना चाहिए। लौहपुरूष का कहना था कि आम का फल समय से पहले तोड़ोगे तो वह खट्टा ही लगेगा और दांत खट्टे हो जाएंगे लेकिन अगर उसे पकने देंगे तो वह अपने आप टूट जाएगा और अमृत के समान लगेगा।

(लेखक शिक्षिका हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

संघर्ष से आती है जीवंतता

संकलित

दर्शन

साधना संसार में है, जंगल में तो साधना का सवाल ही नहीं है। साधना यहां है, जहां प्रतिपल कांटे हैं। कांटों के बीच जिस दिन तुम चलना सीख लो और कांटों के बीच तो चलो और कांटे चुभें न, बस उसी दिन समझ लेना कि अब तुम योग्य हो गए। जंगल जाने की जरूरत भी क्या है। यहीं भीड़ में जंगल हो गया है, अगर तुम्हारे भीतर प्रौढ़ता आ जाए, तो प्रज्ञा का जन्म हो। प्रज्ञा का जन्म संघर्षण से होता है। प्रतिपल जीवन की चुनौतियों को स्वीकार करने से होता है। हारने, गिरने, उठने से होता है। हजार बार गाली दी जाएगी, तुम क्रोधित हो जाओगे। हजार बार के अनुभव से तुम्हें समझ में आ जाएगा कि अपने को जलाना व्यर्थ है। गाली कोई दूसरा दे रहा है, दंड अपने को देना व्यर्थ है। एक दिन तो ऐसा आएगा कि कोई दूसरा गाली देगा और तुम्हारे भीतर क्रोध न आएगा। उसी दिन तुम्हारे भीतर एक कांटा फूल बन गया। उस दिन तुम्हें जो शांति मिलेगी, कोई जंगल नहीं दे सकता। जंगल की शांति मुर्दा है। अगर यहां गालियों के बीच तुम शांत हो गए, तो तुम्हारी शांति में एक जीवंतता होगी। जंगल की शांति में सन्नाटा है, क्योंकि वहां कोई है ही नहीं। वह नकारात्मक है। संसार में अगर तुम शांत हो जाओ तो सकारात्मक है। जंगल की शांति मरने जैसी है, संसार की शांति बड़ी जीवंत है। परमात्मा को पाना है, तो भागना मत। भगोड़ों से परमात्मा का कभी कोई संबंध नहीं जुड़ता। कायरों से संबंध जुड़ भी कैसे सकता है? चुनौती स्वीकार करने वाला साहस चाहिए।

तुलसीदास जी ने स्त्री को पुरुष में बदला

संकलित

प्रेरणा

चरवारी के ठाकुर की लड़की जो कि बहुत ही सुन्दरी थी। इसके माता पिता को बहुत प्रयास करने पर पुत्र प्राप्त नहीं हुआ, पुत्री हो गई। उन्होंने सबसे यह बात छुपाकर रखी कि हमें पुत्री हुई है। उन्होंने बचपन से ही उस पुत्री को पुरुष जैसे कपड़े पहनाएं, बोलचाल भी लड़के जैसे सीखा रखी थी। जब विवाह का समय आया तो मां बाप ने सत्य बात किसी से कही नहीं, क्योंकि उनकी इज्जत पानी में मिल जाती। अब उनकी पुत्री जिसे उन्होंने पुरुष की तरह बनवा रखा था, उसका विवाह एक स्त्री के साथ हो गया। विवाह के बाद सच सामने आ गया कि यह तो स्त्री है, ना कि कोई पुरुष। परंतु विवाह हो चुका था, लोग करते भी क्या? स्त्री का विवाह स्त्री से हो गया। एक दिन जब गोस्वामी जी उधर से निकले, तब लोगों ने उन्हें घेर लिया और प्रार्थना की कि इस कन्या की रक्षा कीजिये। गोस्वामी जी ने श्री रामचरितमानस का नवाह पाठ किया और वह स्त्री सें पुरुष बन गई। यह देखकर गोस्वामी जी का शरीर पुलकित हो गया और उनके मुंह से अतर्कित ही जय-जय सीताराम निकल गया। परिवार को साथ लोग भी खुश हो गए। परिवार ने गोस्वामी जी का बहुत उपकार माना, जिन्होंने उनकी पुत्री को लड़का बना दिया । परिवार की भी बात रह गई।

अंतर्मन

आज की पाती

सरदार पटेल का राष्ट्र को एकता का मंत्र

सरदार वल्लभ भाई पटेल ने हमें एकता का मंत्र दिया था, लेकिन अफसोस कि आज उनके देश में ही कुछ स्वार्थी, कुछ वोट बैंक के लोभी, तो कुछ धर्म के ठेकेदार देश की अनेकता में एकता की छवि को धूमिल कर रहे हैं। भारत में बहुत से महापुरुष हुए। इन महापुरुषों ने भारत को ही नहीं, बल्कि दुनिया को अच्छे मार्ग पर ले जाने के लिए बहुत से काम किए और दुनिया के लिए प्रेरक बने। इन्हीं महापुरुषों में से एक थे, सरदार वल्लभभाई पटेल, जिनका जन्मदिन एकता की भावना को बढ़ाने के रूप में भी मनाया जाता है, जोकि 31 अक्तूबर को होता है। सरदार पटेल ने देश को आजाद करवाने के साथ-साथ देश की एकता को मजबूत करने में मुख्य भूमिका निभाई थी। उन्होंने किसानों को उनका हक अंग्रेजों से दिलाने के लिए काम किए थे। *– मिलिंद जोशी, बिलासपुर*

ट्रेंड

भाजपा-कांग्रेस से देश को खतरा

देश के करोड़ों शोषित व उपेक्षित दलितों के आरक्षण विरोधी तथा उनकी आपसी एकता की दुश्मन जातिवादी पार्टियों द्वारा आरक्षण में कोटे के बंटवारे के प्रति सक्रियता से यह साबित है कि भाजपा व कांग्रेस एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं तथा उनसे समाज व संविधान को खतरा बढ़ा है।

-मायावती, बसपा प्रमुख व पूर्व सीएम

सरकार और अपराध

आज की सरकार और अपराध में एक अजीब सा विरोधाभासी संबंध है। एक तरफ़ दोनों साथ-साथ हैं; तो वहीं दूसरी तरह सरकार जितनी कमज़ोर और निष्क्रिय होती जा रही है, अपराधी उतने ही ताक़तवर और सक्रिय होते जा रहे हैं। **-अखिलेश यादव, सपा प्रमुख व पूर्व सीएम**

श्रमिक बेहतर स्थिति में

उद्योगों के वार्षिक सर्वेक्षण के वेतन आंकड़ों से पता चलता है कि श्रमिक आज बेहतर स्थिति में हैं, यूपीए युग की तुलना में एनडीए के तहत औसत वास्तविक वेतन वृद्धि तीन गुना से अधिक है।

-संबित पात्रा, भाजपा सांसद

भाई-भतीजावाद

जो लोग नींद से जाग गए हैं, उनके खिलाफ मेरे पास कुछ भी नहीं है। मैं उन हकदार भाई-भतीजावादी नकली लोगों के बारे में बात कर रहा हूं जो स्पष्ट प्रगतिशील पीओवी के आवरण के पीछे छुपे हुए हैं।

- सुधीर मिश्रा, फिल्मकार

करंट अफेयर

ईरान ने नए आईफोन के आयात से हटाई पाबंदी

आईफोन के नए मॉडल के आयात पर लगी पाबंदी ईरानी प्रशासन ने हटा ली है, जिससे ईरान के लोग अब शीघ्र ही इनका उपयोग कर पाएंगे। अमेरिकी मोबाइल कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। आईफोन के नये मॉडल पर 2023 से पाबंदी लगी हुई थी लेकिन अब, ईरान के दूरसंचार मंत्री सतार हाशमी ने कहा कि प्रशासन नये मॉडल के पंजीकरण को अनुमति दे रहा है। हाशमी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि ईरानी बाजार में आईफोन के नये मॉडल पंजीकृत करने की समस्या 'सुलझ गयी' है और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने इस सिलसिले में संचार मंत्रालय के प्रयासों का समर्थन किया है। हाशमी ने विस्तृत जानकारी नहीं दी, लेकिन कहा कि आयात संबंधी उपायों की घोषणा जल्द ही की जाएगी। वर्ष 2023 के प्रतिबंध के बाद, आईफोन 13 और पुराने संस्करणों को अभी भी आयात किया जा सकता है। हालांकि, प्रतिबंध लागू रहने के दौरान, ईरान में लाया गया आईफोन 14, 15 या इससे नया मॉडल एक महीने के बाद, ईरान सरकार-नियंत्रित मोबाइल फोन नेटवर्क पर काम करना बंद कर देता था क्योंकि पर्यटकों को देश में एक महीने रूकने की ही अनुमति है।

ऑफ बीट

बच्चे मुश्किल हालात से निपटने का हुनर सीखते हैं

विभिन्न अध्ययनों से संकेत मिलता है कि बचपन में उच्च स्तर का तनाव बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य तथा मनोसामाजिक विकास पर बुरा असर डालता है। हालांकि, यह बात भी कई अध्ययनों से साबित हो चुकी है कि हर तरह की विपरीत परिस्थितियां बच्चों के लिए "बुरी" नहीं होतीं। इस तरह की परिस्थितियों का सामना करते हुए बच्चे मुश्किल हालात से निपटने का हुनर भी सीखते हैं। प्रतिकूल हालात और एसीई - बच्चों के सामने आने वाली सामान्य और विशिष्ट प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच अंतर समझना महत्वपूर्ण है। विशिष्ट प्रतिकूल परिस्थितियों को 'एडवर्स चाइल्डहुड एक्सपीरियंस' (एसीई) के रूप में जाना जाता है। आमतौर पर बचपन में सामने आने वाली प्रतिकूलताएं उन परिस्थितियों या घटनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला को दर्शाती हैं, जो बच्चे के शारीरिक या मनोवैज्ञानिक विकास के लिए खतरा पैदा कर सकती हैं। एसीई में बचपन में सामने आने वाली ऐसी गंभीर प्रतिकूल परिस्थितियां शामिल हैं, जो बच्चों को बेहद दर्दनाक अनुभव देती हैं। इनमें दुर्व्यवहार, उपेक्षा या किसी प्रियजन की मौत प्रमुख है। एसीई से होने वाले विकारों में 'पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसॉर्डर', डिप्रेशन, मोटापा और डायबिटीज शामिल हैं।

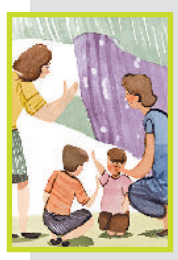

परंपरा
डा. राघवेन्द्र कुमार ' राज '

भाइयों की दीर्घायु होने का महापर्व'-भाईदूज

चतुर्मास का अंतिम पवित्र मास कार्तिक मास आराधना और उपासना के लिए प्रख्यात रहा है।जो योग निद्रा की जागृति का प्रतीक है।धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से भी कार्तिक मास महत्वपूर्ण रहा है।सदियों से कार्तिक मास का आगमन अखंड प्रेम, अटूट बंधन, अनन्य आस्था की दिव्य आलोक पर्व के साथ होता चला आया है। साहस, आमोद -प्रमोद,शक्ति और आनंद का अद्भुत संचार भारतीय लोकपर्व 'दीपोत्सव' के रूप में दृष्टिगोचर होने लगता है। 'दीपोत्सव' के हृदयस्थल पर अवस्थित लोकपर्व 'भाई दूज' वास्तव में भाइयों की दीर्घायु होने की सद्षेणाओं का महापर्व ही है।कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीय तिथि भ्रातृ द्वितीया, भाई दूज और यम द्वितीया के नाम से जानी जाती रही है। इसे छत्तीसगढ़ अंचल में 'मातर पर्व' के रूप में भी मनाया जाता है। मोहन जोदड़ों सभ्यताकालीन युग में मातृ देवी के पावन चरणों में दीप प्रज्जवलन की बड़ी प्राचीन परंपरा रही है। जो आज पर्यन्त चली आ रही है। मां के चरणों में समर्पित आराधना और साधना का पर्व ही 'मातर पर्व' है। लौकिक धरातल की दृष्टि से देखा जाए तो यह पर्व ग्राम्य पर्व ही है। जो लोगों को उमंग और उल्लास की भूमि पर लाकर खड़ा कर देती है। गांवों के दइहान के बीच खुड़हर स्थापित कर पूजन अर्चन के साथ संध्या काल खीर का प्रसाद स्वरूप वितरण, राऊत ग्वालों के द्वारा लाठी संचालन और नर्तन के साथ दोहों की प्रस्तुति पर्व को आकर्षक बना देती है।

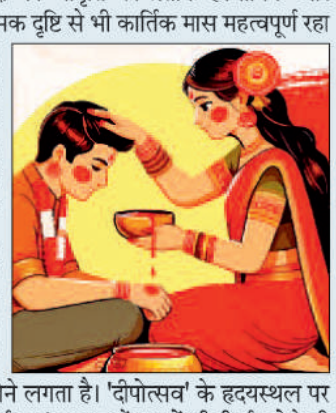

लोकगीत
डा. रमाकांत सोनी

नारी मन की अभिव्यक्ति सुआ नृत्य में

सुआ नृत्य छत्तीसगढ़ का प्रसिद्ध लोक नृत्य है, जिसमें नारी मन की भावना, सुख दुख की अभिव्यक्ति और उनका लावण्य देखने को मिलता है। इस नृत्य का आरंभ दीपावली के समय गौरा पर्व (शंकर पार्वती के विवाह) के साथ होता है जो अगहन माह तक चलता है। सुआ नृत्य और गीत कुमारी कन्याओं और विवाहित स्त्रियों द्वारा समूहों में नाचा और गाया जाता है। बांस की सजी टोकरी में धान रखकर उस पर मिट्टी के बने सुआ को सजाकर रखा जाता है। यह सुआ की जोड़ी शंकर और पार्वती के प्रतीक होते हैं। इस धान के उप्पर मिट्टी का दीया भी रखा जाता है। इन सामग्रियों के साथ इन्हें लाल रंग के कपड़े में ढक कर सिर पर बांस की टोकरी को रख कर यह लोक गायिकाएं किसान घर पहुंचकर आंगन के बीच में टोकरी रख कर उसके चारो ओर गोलाकार रचना कर खड़ी हो जाती हैं। अब टोकरी से कपड़ा हटा लिया जाता है और संध्या बेला में दीप जलाकर सुआ को संबोधित करती हुई आधी झुकी मुद्रा में तालियों के ताल पर नाचती हैं। सामूहिक रूप से एक दल एक पंक्ति को गाते हुए नाचता है तो दूसरा दल उसके प्रत्युत्तर को जोड़ते हुए ताल देते गाते हुए गोल घूमते गाते हैं। इस नृत्य में नाद, लय, गीत, गीति तथा भाव सौंदर्य की ध्वनि होती है। भावों की मार्मिक और मधुर अभिव्यक्ति जो अपने सहज शिल्प के कारण मन को सीधे प्रभावित करता है। इस समूह लोक नृत्य में हाथों की तालियों से निकली संगीत की मधुर ध्वनि हृदय को स्पंदित करती हैं, और समस्त नारी जाति की विरह व्यंजना को अभिव्यक्ति देती हुई गाती हैं -

पईयां मैं लागव चंदा सुरुज के रे
सुवना तिरिया जनम झन देय।
तिरिया जनम मोर गऊ के बरोबर
रे सुवना जिहाँ पठोय तिहा जाय।

पुस्तक समीक्षा

मनका (दोहा सहस्त्रावली)

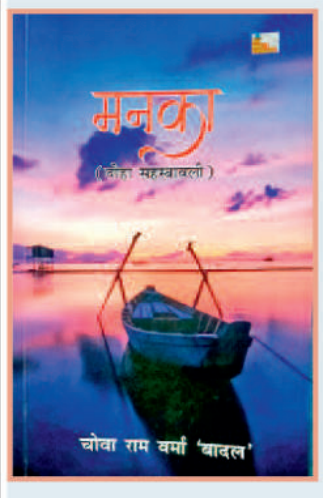

कृति के नाव
मनका (दोहा सहस्त्रावली)
कृतिकार
चोवा राम वर्मा ' बादल '
प्रकाशक
न्यू वर्ड पब्लिकेशन दिल्ली
छत्तीसगढ़ी अनुवाद
चम्पेश्वर गोस्वामी
मूल्य
दो सौ पचास रुपए

साहित्य की विभिन्न विधाओं में दोहा का महत्वपूर्ण स्थान है। दोहा को पढ़ने और बोलने में जितना सरल लगता है, उतना ही कठिन लिखने में होता है। इसके साथ छंद बद्ध दोहों के अनेक प्रकार को लेखन करना कार्य है, क्योंकि यह मात्राओं पर आधारित होता है। इस विधा पर अंचल के साहित्यकार बादल जी ने अपनी इस कृति के माध्यम से सामाजिक जीवन से जुड़े हर पहलुओं को अच्छा चित्रित करने का प्रयास किया है। आप लगातार दोहा पर काम कर रहे हैं इसलिए सुलझे लेखन की क्षमता इस पुस्तक में देखने को मिल रही है। संदेश परक पाठकों को भी यह कृति अच्छी लगेगी।

छत्तीसगढ़ में कार्तिक मास को धरम महिना कहा जाता है और इस मास में तुलसी चौरा में दीया जलाना बड़ा शुभ माना जाता है। कवि भी यही कहते हैं-
कातिक महिना धरम के रे माय।
तुलसी में दियना जलाए हो माय।।

तुलसी में दियना जलाए हो माय

दीपावली परब विशेष : प्रो. अश्विनी केशरवानी

छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध कवि स्व. श्री हरि ठाकुर दीवाली को विशुद्ध कृषि संस्कृति पर आधारित त्योहार मनाते हैं। इस समय खेतों में धान की बाली लहलहाने लगती है और बाली के धान पकने लगते हैं। किसान इसे देखकर झूम झूमकर गाने लगता है-

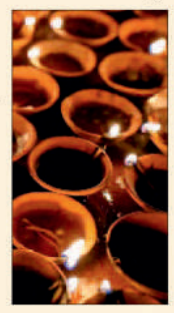

दिया बाती के तिहार
होगे घर उजियार
गोइ अचरा के जोत ल
जगाए रहिबे
दूध भरे धान
होगे अब तो जवान
परौं लक्ष्मीं के पांव
निक बादर के छांव
सुवा रंग खेत खार
बन दूबी मेढ़ पार
गोई फरिका पलक के लगाए रहिबे।

छत्तीसगढ़ में पांच दिन तक चलने वाले इस त्योहार का आरंभ धनतेरस याने धनवंतरि त्रयोदश से होता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान धनवंतरि अपने हाथ में अमृत कलश लिए प्रगट हुए थे। समुद्र मंथन में जो 14 रत्न निकले थे, भगवान धनवंतरि उनमें से एक हैं। वे आरोग्य और समृद्धि के देव हैं। स्वास्थ्य और सफाई से इनका गहरा संबंध होता है। इसीलिए इस दिन सभी अपने घरों की सफाई करते हैं और लक्ष्मी जी के आगमन की तैयारी करते हैं। इस दिन लोग यथाशक्ति धन के रूप में सोना-चांदी और बर्तन आदि खरीदते हैं।

दूसरे दिन कृष्ण चतुर्दशी होता है। इस दिन को नरक चतुर्दशी भी कहा जाता है। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण नरकासुर का वध करके उनकी कैद से हजारों राजकुमारियों को मुक्ति दिलाकर उनके जीवन में उजाला किये थे। तीसरे दिन आता है दीपावली। दीपों का त्योहार..लक्ष्मी पूजन का त्योहार। असत्य पर सत्य की, अंधकार पर प्रकाश की, और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक त्योहार है दीपावली। इस त्योहार को मनाने के पीछे अनेक लोक मान्यताएं जुड़ी हुई हैं। श्रीरामचंद्र जी के 14 वर्ष बनवास काल की समाप्ति और अयोध्या आगमन पर उनके स्वागत में दीप जलाना, अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक है। इसी अमावस्या को भगवान विष्णु जी ने धन की देवी लक्ष्मी जी का वरण किया था। इसीलिए इस दिन सारा घर दीपों के प्रकाश से जगमगा उठता है। पटाखे और आतिशबाजी की गूंज उनके स्वागत में होती हैं। इस दिन धन की देवी मां लक्ष्मी को पूजा अर्चना करके प्रसन्न किया जाता है और घर को श्री सम्पन्न करने की उनसे प्रार्थना की जाती है।

चौथे दिन आती है गोवर्धन पूजा। यह दिन छत्तीसगढ़ में बड़े धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इसे छोटी दीवाली भी कहा जाता है। मुंगेली क्षेत्र में इस दिन को पान बीड़ा कहते हैं और अपने अपने घरों में मिलने आये लोगों का स्वागत पान बीड़ा देकर करते हैं। इस दिन गोवर्धन पहाड़ बनाकर उसमें श्रीकृष्ण और गोप गोपियां बनाकर उनकी पूजा की जाती है। राऊत लोग गाय की पूजा करते हैं और नाचते गाते हैं-

चार महिना चराएव,
खाएव दही के मोरा।
आगे मोर दिन देवारी,
छोड़े बर तोर निहोरा।

इस दिन छत्तीसगढ़ में शौर्य के प्रतीक रावत नाच का शुभारंभ होता है। नाचते हुए वे गाते हैं-

लगगे कातिक महिना संगी,
घर कोठार बनाबो।
आही देवारी लाही अंजोरी,
जम्मो अंधियार मिटाबो।।

पांचवें दिन आता है भाईदूज का पवित्र त्योहार। यमराज के वरदान से इस दिन बहन अपने भाई का आत्मीय स्वागत करके मोक्ष का अधिकारी बनती हैं। पांच दिन तक चलने वाले इस त्योहार को लोग बड़े धूमधाम और आत्मीय ढंग से मनाते हैं।

छत्तीसगढ़ के चंदखुरी में माता कौशल्या मंदिर जलसेन जलाशय में 16 एकड़ में फैला हुआ है। कौशल्या मंदिर के आसपास जो तालाब है उनमें मखनबोध तालाब, बड़े लेडारी तालाब, छोटे लेडारी तालाब, सिंगाही तालाब, सोंधी तालाब, गोट्टरी तालाब और जलसेन तालाब प्रमुख है। भौगोलिक दृष्टि से यह महत्वपूर्ण क्षेत्र है यह सभी तालाब एक दूसरे से जुड़े हुए है। इस मंदिर में पहले महिलाओं का प्रवेश निषेध था, ऐसी जानकारी मिलती है कि मंदिर तालाब के मध्य में होने के कारण पुरुष ही तैरकर दर्शन के लिए पहुंचते थे। इस जलाशय के चारों ओर परिक्रमा पथ है। कहा जाता है कि प्राचीन काल में इस परिक्रमा पथ पर भक्त गण परिक्रमा करते थे, तथा वे कौशल्या माता की जन्मभूमि चबूतरा का पूजा अर्चना कर अपनी मनोकामना पूर्ण करते हैं।

माता कौशल्या मंदिर और जलाशय

इस परिक्रमा पथ पर चार मंदिर तट पर बने हैं जिसमें शिव और हनुमान मंदिर हैं। इतना लंबा परिक्रमा पथ संभवतः अन्यत्र क्षेत्र में कहीं नहीं मिलता। तत्कालीन युग की स्मृति एक प्राचीन चबूतरा से होता है, मान्यता है कि सिंगाही तालाब के मध्य में स्थित चबूतरा है उसे माता कौशल्या माई की जन्मस्थली का प्रतीकात्मक स्वरूप माना जाता है। आदिकाल से इस चबूतरे पर दीपक प्रज्जवलित कर पूजा अर्चना करने की परंपरा चली आ रही है। चंदखुरी वासी इसे सबसे प्राचीन चबूतरा मानते हैं। पुल निर्माण के पूर्व ग्रामवासी इसी चबूतरे की पूजा अर्चना कर उससे आशीर्वाद लेकर अपनी मनोकामना पूर्ण करते हैं। यहां प्रतिदिन दीप जलाकर पूजा करने की परंपरा आज भी जारी है। रामायण के बाल काण्ड में उत्तर कोसल और दक्षिण कोसल का उल्लेख मिलता है, जिसमें एक कोसल का राजा भानुमंत को बताया गया है। राजा अपनी सुरक्षा के लिए जलाशयों का निर्माण कराते थे, ताकि दुश्मन सीधे आक्रमण न कर सके। यह एक प्राचीन परंपरा है। राजा भानुमंत ने भी ऐसा ही किया था।

धार्मिकः डा. हेमू यदु

तीज-तिहार
जगदीश देशमुख

प्रकृति पूजन के प्रतीक आय गोवर्धन पूजा

छत्तीसगढ़ में गोवर्धन पूजा के दिन ला देवारी तिहार के रूप में मनाए जाथे। पुराण अऊ धार्मिक ग्रंथ के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण गऊ ला मानव जीवन में उपयोगी बतात ऋषि आऊ कृषि संस्कृति के संदेश दिस। संगे संग गोवर्धन पर्वत के पूजा के कारण बताईन कि जीवन जिए के सबो तत्व एमा समाय हे। ओहि हा आज के दिन गोवर्धन पूजा अऊ देवारी तिहार के रूप में मनाथन। भगवान कृष्ण हा यदुवंश में जन्म लिस। गाय के पालन पर जोर दिस, तेकर सेती ऊंकर नाव गोपाल परिस। जेकर सेती यदुवंशी मन के देवारी तिहार में महत्वपूर्ण भूमिका होथे। मंझनिया किसान मन अपन गाय ला खिचरी खवाथें। खिचरी खवाय के पाछू धार्मिक अऊ वैज्ञानिक महत्व बताय गेहे। ईहि बेरा रौताइन मन अपन मालिक मन घर कोठा मा हाथा दे बर आथे। राऊत मन देवारी तिहार के दिन अपन मालिक मन के गाय ला सोहाई बांधते। अतका बेर राऊत नाचा दल दोहा पारके मालिक मन ला जोहारथें। येकर बदला मे मालिक मन पईसा, चाउर दार, कपड़ा लपता देके राऊत मन ला बिदा करथें। गोवर्धन खुंदाय के पहली मड़ई बैरक निकाले जाथे। गांव गली मा बाजा गाजा सन मालिक ला निकाले बर ऊंकर घर जाथें। सांझ बेरा खैरखा दाड़ मा गोवर्धन खुंदाय जाथे। गोवर्धन खुंदाय के बाद सकलाय सबो मन गाय के गोबर के टीका माथ में लगा के भाईचारा संग एकता के संदेश देथें। ऐकर बाद मालिक मन ला बाजा उनकर घर पहुंचाय ला घलोक जाथें। ऐ तरह ले तिहार मानके भाईचारा के सुंदर संदेश समाज में दे जाथे।

संस्कृति
लक्ष्मी नारायण लहरे साहिल

रोम रोम में बसते हैं जहां राम

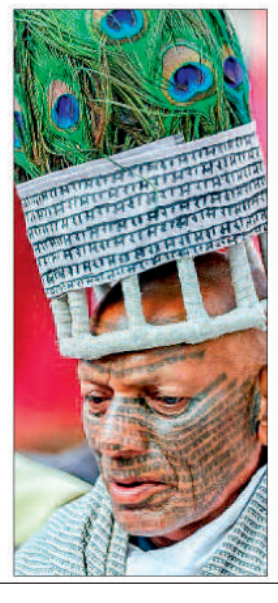

छत्तीसगढ़ प्रभु श्री राम का नैनिहाल रहा है जहां प्रभु श्री राम को भाचा भी कहा जाता है । आजादी के पहले से ही दबे -कुचले समाज के लोगों के साथ भेद -भाव ,ऊंच -नीच , जाति भेद रहा है जिन्हें दलित कहा गया ।उन दिनों उन्हें मंदिर में प्रवेश से मनाही थी । छत्तीसगढ़ में रामनामी समाज निवासरत हैं । छत्तीसगढ़ के जांजगीर -चांपा जिले के चारपारा गांव के सतनामी परशुराम भारद्वाज के द्वारा 1890 के आसपास रामनामी सम्प्रदाय की स्थापना हुई थी। इसके पूर्व से आंदोलन होती रही है। उस समय इस सम्प्रदाय के लोगों को मंदिर में पूजा - अर्चना और प्रवेश की मनाही थी, वे फिर भी प्रभु राम को निर्गुण रूप में जप कर रहे थे। इतिहास गवाह है, पहले सभा के रूप में समाज इक्कठे होकर भजन करते थे।भजन मेला आयोजन के सम्बन्ध में यहां प्रचलित किंवदंती के अनुसार एक बार सावन-भादो माह में जब महानदी में बाढ़ आई हुई थी, तब कुछ रामनामी छोटी डोंगी से नदी पार कर रहे थे। बाढ़ में फंसकर उनकी डोंगी डूबने लगी तब उन्होंने प्रार्थना की और संकल्प लिया की, यदि उनकी डोंगी सही सलामत पार हो गयी तो वे बड़े भजन का आयोजन करेंगे। उनकी

प्रार्थना के बाद डोंगी स्वतः ही किनारे जा लगी। इसके बाद उन कृतज्ञ रामनामियों ने महानदी के किनारे बसे पिरदा गांव में पहले बड़े भजन का आयोजन किया और इस प्रकार बड़े भजन मेले का उदभव हुआ। आरंभ में बड़े भजन रामनामी सम्प्रदाय की एक धार्मिक सामाजिक गतिविधियां थी,जिसका उद्देश्य रामनामी समाज की एकता समरसता और उनका प्रचार -प्रसार था। धीरे धीरे इसके साथ बाजार और मनोरंजन भी जुड़ गया। यह अब व्यापक अखिल भारतीय रामनामी महासभा मेले के रूप में होता है ।

रामनामी समुदाय के रोम रोम में प्रभु राम बस्ते हैं 150 वर्षों से राम की अलख जगाते आ रहे हैं। छत्तीसगढ़ में रामनामी सम्प्रदाय के लोग 1911 से लगातार पूस माह की एकादशी से सम्मेलन करते आ रहे हैं, 2025 में 116 वां सम्मेलन होगा । यह सम्मेलन पिरदा गांव से प्रारंभ हुई थी वर्तमान में यह गांव नव सृजित जिला सक्ति के अंतर्गत आता है। 100 वां वर्ष पर यहां सम्मेलन पुनः हुई थी।100 वर्ष के बाद से पिरदा गांव में हर वर्ष कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष के सप्तमी से कार्तिक पूर्णिमा तक दिन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन होते आ रहा है।पिरदा गांव में यह 13 वां वर्ष है जहां तीन दिन तक सम्मेलन होगा। रामनामी समुदाय ने महासम्मेलन में आदर्श विवाह का पहले परिचय दिया था। इनकी भेषभूषा सादा होती है और खानपान भी शाकाहारी होने के साथ ही सरल जीवन यापन करते है। इनके शरीर में राम राम की गोदना गुदी हुई होती है।वे मांस मदिरा जैसे व्यसन से दूर रहते हैं। महासम्मेलन में पूरे छत्तीसगढ़ के रामनामी सम्मेलन में पहुंचकर प्रभु राम की यशगान कर उनकी अलख जगाते हैं।

एक ही त्योहार, अनेक रीति-रिवाज
मेरे देश में दिवाली

जेहि पर कृपा करहिं जनुजानी। कवि उर अजिर नचावहिं बानी।।
मोरि सुधारहिं सो सब भांती। जासु कृपा नहिं कृपा अघाती।।

दिवाली केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि यह भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न हिस्सा है। दिवाली हमें एक-दूसरे के साथ जुड़ने, प्यार और खुशी बांटने और नए साल की शुरुआत करने का मौका देती है। दिवाली की विविधता भारत की विविधता का ही प्रतिबिंब है। भारत के विभिन्न राज्यों में, दिवाली को अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है, लेकिन सभी जगहों पर दिवाली का मूल अर्थ एक ही है- 'बुराई पर अच्छाई की जीत, अंधेरे पर प्रकाश की जीत।' यह त्योहार हमें सिखाता है कि बुराई पर अच्छाई की हमेशा जीत होती है और अंधेरे में भी उम्मीद की किरण हमेशा जलती रहती है। हालांकि, रोशनी का यह त्योहार देश के हर हिस्से में एक ही तरह से नहीं मनाया जाता। विशाल भारत के अलग-अलग हिस्सों में दिवाली को लेकर अलग-अलग परंपराएं हैं। आइए जानते हैं, कुछ ऐसे रोचक तथ्य जो दीपावली के इतिहास और महत्व को और गहरा बनाने का काम करते हैं।

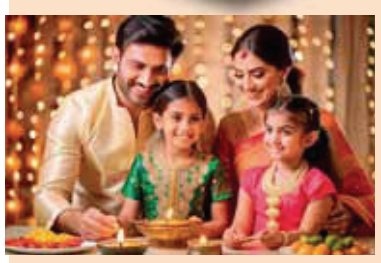

उत्तर भारत

उत्तर भारत में दिवाली को भगवान राम के अयोध्या वापसी के स्वागत में मनाया जाता है। लोग अपने घरों को दीयों और रंगोली से सजाते हैं, नए कपड़े पहनते हैं और मिठाइयां बांटते हैं। दिवाली की रात को, लोग देवी लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करते हैं और धन की देवी से आशीर्वाद मांगते हैं।

पूर्वी भारत

पूर्वी भारत, विशेषकर बंगाल में दिवाली का त्योहार काली पूजा के साथ अत्यंत धूमधाम से मनाया जाता है। यह पर्व केवल प्रकाश का त्योहार ही नहीं, बल्कि शक्ति और विनाश की देवी, मां काली की आराधना का पावन अवसर भी है। माना जाता है कि देवी काली बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक हैं। बता दें, काली पूजा बंगाली संस्कृति का एक अभिन्न अंग है।

कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक त्योहार एक, मनाने का तरीका अलग

दक्षिण के रंग निराले

उत्तर भारत से अलग दक्षिण भारत में दीपावली मनाने का कारण और मान्यताएं अलग हैं। यहां दीपावली को नरक चतुर्दशी के रूप में मनाया जाता है। दक्षिण भारत में कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी से दीपावली उत्सव आरंभ हो जाता है। उस दिन लोग सूर्योदय के पहले सुबह-सुबह तेल और उबटन लगाकर स्नान कर लेते हैं, क्योंकि अगले दिन अमावस्या होती है और उस दिन सिर में तेल लगाकर स्नान नहीं किया जा सकता है। इस तरह तमिल लोगों के लिए दीपावली का जश्न सुबह-सुबह तेल लगाकर स्नान करने से शुरू होता है।

पश्चिम भारत की दीपावली

पश्चिम भारत की बात करें, तो खासतौर से गुजरात में दिवाली को नए साल के रूप में मनाया जाता है। इस दौरान लोग अपने घरों को साफ करते हैं, नए कपड़े खरीदते हैं और नए साल का स्वागत करते हैं। गुजरात में, दिवाली के दौरान पतंग उड़ाना एक लोकप्रिय परंपरा बनी हुई है।

अपना राज्य, अपना अंदाज

वाराणसी की देव दीपावली

वाराणसी में देवताओं की दिवाली मनाई जाती है, जिसे देव दीपावली के नाम से जाना जाता है। भक्तों का मानना है कि इस दौरान देवी-देवता गंगा में डुबकी लगाने के लिए धरती पर आते हैं। गंगा नदी में प्रार्थना और दीये की जलाएं जाते हैं। और दीपों और रंगोली से सजे किनारे बेहद मंत्रमुग्ध कर देने वाले लगते हैं। देव दीपावली कार्तिक मास की पूर्णिमा में आती है।

महाराष्ट्र : 'वासु बरस' की रस्म

महाराष्ट्र में दिवाली की शुरुआत 'वासु बरस' की रस्म से होती है जो गायों के लिए होती है। प्राचीन चिकित्सक धन्वंतरि को श्रद्धांजलि देने के लिए लोग धनतेरस मनाते हैं। दिवाली के अवसर पर, महाराष्ट्रीयन देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं और पति और पत्नी के प्यार का जश्न मनाते हुए 'दिवाली चा पड़वा' मनाते हैं।

ओडिशा कौरिया काठी

ओडिशा में, दिवाली के अवसर पर, लोग कौरिया काठी करते हैं। यह एक ऐसा अनुष्ठान है जिसमें लोग स्वर्ग में अपने पूर्वजों की पूजा करते हैं। वे अपने पूर्वजों को बुलाने और उनका आशीर्वाद लेने के लिए जूट की छड़ें जलाते हैं। दिवाली के दौरान, उड़िया देवी लक्ष्मी, भगवान गणेश और देवी काली की पूजा करते हैं।

बंगाल में काली पूजा

बंगाल में दिवाली काली पूजा या श्यामा पूजा के साथ मनाई जाती है जो रात की जाती है। देवी काली को हिबिस्कस के फूलों से सजाया जाता है और मंदिरों और घरों में पूजा की जाती है। भक्त मां काली को मिठाई, दाल, चावल और मछली भी चढ़ाते हैं। कोलकाता में दक्षिणेश्वर और कालीघाट जैसे मंदिर काली पूजा के लिए प्रसिद्ध हैं। इसके अलावा, काली पूजा से एक रात पहले, बंगाली घरों में 14 दीये जलाकर बुरी शक्ति को दूर करने के लिए भूत चतुर्दशी

केरल के लोग न तो मां लक्ष्मी और गणेश की पूजा करते हैं, न ही पटाखे जलाते हैं

राजा महाबली की मौत ने बदला मनाने का तरीका, दीपावली नहीं, ओणम

दिवाली भारत में सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण त्योहार माना जाता है। पूरे देश में इसे बड़े धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत के कुछ हिस्से ऐसे भी हैं जहाँ दिवाली नहीं मनाई जाती? इनमें सबसे प्रमुख है केरल। केरल, जो कि भारत का दक्षिणी राज्य है, वहां दिवाली का उत्सव बहुत कम ही देखने को मिलता है। केरल के लोग न तो मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा करते हैं, न ही पटाखे जलाते हैं। यहां तक कि दीये भी नहीं जलाए जाते। इसके पीछे कई ऐतिहासिक और सांस्कृतिक कारण हैं।

पहली वजहः महाबली राजा की मृत्यु

केरल में मान्यता है कि दिवाली के दिन ही उनके महान राजा महाबली की मृत्यु हुई थी। महाबली राजा केरल के लोगों के लिए बहुत पूजनीय हैं और उनकी याद में ओणम का त्योहार मनाया जाता है। दिवाली का दिन उनके लिए शोक का प्रतीक माना जाता है, इसलिए इसे उत्सव के रूप में नहीं मनाया जाता।

दूसरी वजहः धार्मिक जनसंख्या

केरल में हिन्दू धर्म के अलावा ईसाई और मुस्लिम धर्म की जनसंख्या भी बड़ी संख्या में हैं। यही कारण है कि केरल में हिन्दू धार्मिक त्योहार, जैसे दिवाली, उतने बड़े पैमाने पर नहीं मनाए जाते जितने उत्तर भारत में होते हैं।

तीसरी वजहः मौसम की समस्या

केरल में अक्टूबर-नवंबर के महीने में बहुत ज्यादा बारिश होती है। इस कारण से पटाखे जलाना और दीये जलाना काफी मुश्किल हो जाता है। अधिकतर समय बारिश के कारण दीपों और पटाखों का आनंद नहीं उठाया जा सकता। यही वजह है कि यहां दिवाली का

तमिलनाडु में नर्क चतुर्दशी

केरल के अलावा, तमिलनाडु में भी दिवाली उतनी धूमधाम से नहीं मनाई जाती है। यहाँ के लोग सिर्फ 'नर्क चतुर्दशी' का त्योहार मनाते हैं, जो दिवाली से एक दिन पहले आता है। इसे तमिलनाडु में ज्यादा प्रमुखता दी जाती है, और इस दिन को लोग 'नरकासुर' के वध के रूप में मनाते हैं।

मुगल दरबार में मनाया गया था जश्न-ए-चराग

जैन, बौद्ध और सिख धर्मों में दिवाली की खास मान्यता

हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को दिवाली मनाया जाता है। रोशनी का पर्व दिवाली न सिर्फ हिंदुओं का प्रमुख त्यौहार है, बल्कि यह जैन, बौद्ध और सिख धर्मों में भी बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता हैं। दिवाली का पर्व 3300 वर्ष पूर्व से लगातार मनाया जाता रहा है। सिंधु घाटी सभ्यता के लोग भी इस पर्व को मनाते थे।

भगवान बुद्ध का 'अप्पों दीपो भव' का उपदेश

बौद्ध धर्म में भी दिवाली का पर्व बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। इसी दिन बौद्ध धर्म के प्रवर्तक गौतम बुद्ध 17 साल बाद अपने अनुयायियों के साथ गृह नगर कपिल वस्तु लौटे थे। उनके स्वागत में लाखों दीप जलाकर दीपावली मनाई गई थी। साथ ही भगवान बुद्ध ने 'अप्पो दीपो भव' का उपदेश देकर दिवाली को एक नया आयाम दिया था।

दिवाली में स्वर्ण मंदिर की नींव

हिंदुओं की तरह ही सिख समुदाय भी दिवाली का पर्व काफी धूमधाम से मनाते हैं। इसी दिन साल 1577 में स्वर्ण मंदिर की नींव रखी गई थी, जो सिखों के सबसे बड़े तीर्थों में से एक है। इसके अलावा सिखों के छठे गुरु हरगोविंद सिंह को इसी दिन कैद से रिहाई मिली थी।

जैन धर्म में भी है दिवाली की मान्यता

हिन्दू धर्म के अलावा जैन धर्म में भी दिवाली का त्योहार काफी धूमधाम से मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी को कार्तिक अमावस्या के दिन ही मोक्ष मिला था। इसी दिन उनके पहले शिष्य गौतम गणधर को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। यही कारण है कि जैनियों में दिवाली को महावीर स्वामी के निर्वाण दिवस के रूप में मनाते हैं। जैन धर्म में पूजा का तरीका अलग है पर यहां भी हिंदू धर्म की तरह ही दीप जलाकर दिवाली मनाई जाती है।

देशभर में दिवाली का त्योहार बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस त्योहार से जुड़ी कई परंपराएं और मान्यताएं आज भी कायम हैं। ऐसी ही एक अनोखी परंपरा मध्य प्रदेश के रतलाम जिले के कनेरी गांव की है। यहां दिवाली पर तीन दिन तक गुर्जर समुदाय के लोग ब्राह्मणों का मुंह नहीं देखते हैं। यह परंपरा अपने आप में बहुत अजीब है। लेकिन फिर भी इस गांव के लोग इसे मानते हैं।

दिवाली पर अनोखी परंपरा निभाते हैं रतलाम के कनेरी गांव के लोग

गुर्जर समुदाय के लोग करते हैं बेर की पूजा

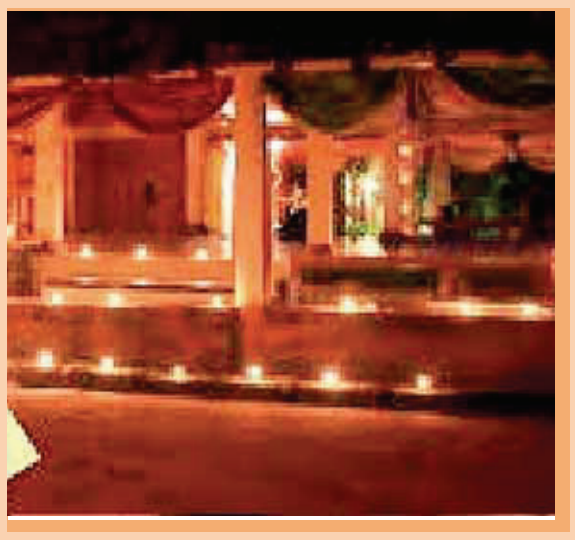

रतलाम के कनेरी गांव

ये परंपरा पिछले कई सालों से रतलाम के कनेरी गांव में चली आ रही है। यहां रहने वाले गुर्जर समुदाय के लोग आज भी इस परंपरा को अपने पूर्वजों की तरह मनाते आ रहे हैं। परंपरा के अनुसार दिवाली के दिन गुर्जर समुदाय के लोग कनेरी नदी के पास इकट्ठा होते हैं और फिर एक कतार में खड़े होकर अपने हाथों में एक लंबा बेर पकड़ते हैं और उस बेर को पानी में प्रवाहित करते हैं, फिर विशेष पूजा करते हैं। पूजा के बाद समाज के सभी लोग एकत्रित होकर घर से लाए गए भोजन को खाते हैं और पूर्वजों द्वारा शुरू की गई परंपरा का पालन करते हैं। दिवाली के पांच दिनों में से तीन दिन रूप चौदस, दिवाली और पड़वी पर गुर्जर समुदाय के लोग ब्राह्मणों का चेहरा नहीं देखते हैं। मान्यताओं के मुताबिक कई वर्ष पहले गुज्जर समाज के भगवान देवनारायण की माता ने ब्राह्मणों को श्राप दिया था। जिसके अनुसार दिवाली, रूप चौदस, दीपावली और पड़वी इन तीन दिनों में कोई भी ब्राह्मण गुर्जर समुदाय के सामने नहीं आ सकता. वहीं इन तीन दिनों में गुर्जर समुदाय के लोग किसी भी ब्राह्मण का चेहरा नहीं देख सकते हैं। उस समय से लेकर आज तक गुर्जर समाज दिवाली पर विशेष पूजा करता है। इस दिन कोई भी ब्राह्मण गुर्जर समाज के सामने नहीं आता और न ही कोई ब्राह्मणों के सामने जाता है।

एक साथ रहने का लेते हैं संकल्प

इस परंपरा के बारे में गुर्जर समुदाय के लोगों बताते है कि उनके पूर्वजों ने इस परंपरा की शुरुआत की थी, जिसे समुदाय के लोग लंबे समय से निभाते आ रहे हैं। दिवाली का दिन गुर्जर समुदाय के लिए सबसे खास दिन होता है। लोग नदी के किनारे बेर पकड़कर पितृ पूजा

जौनसार में अनोखी परंपरा

दीपावली भी बूढ़ी... महीने भर बाद बिखरती है सांस्कृतिक छटा

जौनसार बावर जनजातीय क्षेत्र में राष्ट्रीय दिवाली के ठीक एक महीने बाद बूढ़ी दिवाली मनाने की अनोखी परंपरा है, जिसमें पारंपरिक लोक संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। यहां दिवाली को पूरी तरह ईको-फ्रेंडली और परंपरागत तरीके से मनाया जाता है। उत्तराखंड के जौनसार बावर जनजातीय क्षेत्र में दिवाली का त्योहार एक खास अंदाज में मनाया जाता है, जिसे 'बूढ़ी दिवाली' के नाम से जाना जाता है। यह दिवाली मुख्य दिवाली के ठीक एक महीने बाद आती है और कई दिनों तक चलती है। इस पर्व की सबसे खास बात यह है कि यहां पटाखों का प्रयोग नहीं किया जाता, बल्कि भीमल की लकड़ी से बनी मशालों को जलाकर गांव के लोग एकत्रित होते हैं। ग्रामीण पारंपरिक वेशभूषा में सजे-धजे गांव के पंचायती आंगन या खलिहान में इकट्ठा होते हैं, जहां ढोल-दमाऊ की थाप पर रासो, तांदी, झैंता और हारुल जैसे पारंपरिक नृत्य किए जाते हैं। इसे स्थानीय लोग बिरुडी पर्व के रूप में भी जानते हैं, जो स्थानीय लोक संस्कृति का एक प्रतीक है।

किंवदंती है कि श्रीराम के अयोध्या लौटने की खबर देर से मिली बूढ़ी दिवाली मनाने के पीछे कई मान्यताएं हैं। जनजातीय क्षेत्र के बुजुर्गों का मानना है कि भगवान श्रीराम के अयोध्या लौटने की खबर इस क्षेत्र के लोगों को काफी देरी से मिली थी, जिस कारण यहां दिवाली एक महीने बाद मनाने की परंपरा शुरू हुई। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि जौनसार बावर एक कृषि प्रधान क्षेत्र है, जहां लोग खेती-बाड़ी में व्यस्त रहते हैं। फसल कटाई के बाद ही उन्हें पर्व मनाने का समय मिलता है, इसलिए यह त्योहार एक महीने बाद परंपरागत रूप से मनाया जाता है। इसके साथ ही यह पर्व गांव के सभी कार्यों के निपटारे और सर्दियों की तैयारी के बाद आता है। बूढ़ी दिवाली का जश्न जौनसार बावर के हर गांव में खास तरीके से मनाया जाता है, जिससे पूरा क्षेत्र गुलजार हो जाता है और यह बूढ़ी दिवाली 5 दिनों तक चलती है। इस अवसर पर

टेस्ट रैंकिंग : बुमराह ने गंवाई बादशाहत, रबाडा बने वर्ल्ड नंबर-1 गेंदबाज

एजेंसी ▶▶| दुबई

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा बुधवार को जारी आईसीसी पुरुष टेस्ट खिलाड़ी रैंकिंग में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पछाड़कर शीर्ष गेंदबाज बन गए। मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के दौरान शानदार लय में चल रहे दाएं हाथ के गेंदबाज रबाडा ने हाल ही में मीरपुर में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में नौ विकेट झटक कर इस प्रारूप में अपने 300 विकेट पूरे किए थे। दक्षिण अफ्रीका ने मीरपुर में खेले गए इस मैच को सात विकेट से जीता था।

विकेट लेने में नाकाम

बुमराह न्यूजीलैंड के खिलाफ पुणे में खेले गए भारत के दूसरे टेस्ट मैच में एक भी विकेट लेने नाकाम रहे थे। वह दो स्थान नीचे खिसककर तीसरे पायदान पर आ गए है। ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड दूसरे स्थान पर हैं। भारत के अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन भी दो स्थान के नुकसान के साथ चौथी रैंकिंग पर खिसक गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस भी शीर्ष पांच गेंदबाजों में शामिल हैं। रावलपिंडी में हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट में बेहतरीन गेंदबाजी करने वाले पाकिस्तान के स्पिनर नोमान अली शीर्ष 10 में नए सदस्य है।

शीर्ष बल्लेबाज

रैंक	खिलाड़ी	देश	अंक
1	जो रूट	इंग्लैंड	903
2	केन विलियमसन	न्यूजीलैंड	813
3	यशस्वी जायसवाल	भारत	790
4	हैरी ब्रूक	इंग्लैंड	778
5	स्टीव स्मिथ	ऑस्ट्रेलिया	757

शीर्ष गेंदबाज

रैंक	खिलाड़ी	देश	अंक
1	कगिसो रबाडा	द.अफ्रीका	860
2	जोश हेजलवुड	ऑस्ट्रेलिया	847
3	जसप्रीत बुमराह	भारत	846
4	रविचंद्रन अश्विन	भारत	831
5	पैट कमिंस	ऑस्ट्रेलिया	820

शीर्ष ऑलराउंडर

रैंक	खिलाड़ी	देश	अंक
1	रवींद्र जडेजा	भारत	434
2	रविचंद्रन अश्विन	भारत	315
3	मेहदी हसन	बांग्लादेश	294
4	शाकिब अल हसन	बांग्लादेश	280
5	जेसन होल्डर	वेस्टइंडीज	270

तीसरे स्थान पर यशस्वी

बल्लेबाजों की सूची में युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल पुणे में न्यूजीलैंड के खिलाफ 30 और 77 रनों के योगदान के बाद एक पायदान ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। वह इस प्रारूप में भारत के शीर्ष रैंक के बल्लेबाज बने हुए हैं। विस्फोटक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत और विराट कोहली की बल्लेबाजी रैंकिंग में गिरावट आई है। पंत जहां पांच स्थान गिरकर 11वें स्थान पर हैं, वहीं कोहली छह स्थान फिसलकर 14वें स्थान पर हैं।

जडेजा, अश्विन की धाक

भारत के रविंद्र जडेजा (नंबर एक) और अश्विन (नंबर दो) टेस्ट हरफनमौला खिलाड़ियों की रैंकिंग में शीर्ष पर अच्छी बढ़त बनाए हुए हैं। बांग्लादेश के स्टार मेहदी हसन दो स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

खबर संक्षेप

ईश्वरन, नीतीश रेड्डी और प्रसिद्ध पर रहेगी नजर

मैकाय। भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच गुरुवार से यहां शुरू होने वाले चार दिवसीय क्रिकेट मैच में अभिमन्यु ईश्वरन, नीतीश कुमार रेड्डी और प्रसिद्ध कृष्णा पर सभी की निगाहें टिकी रहेंगी। ईश्वरन, नीतीश और प्रसिद्ध को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 22 नवंबर से शुरू होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में चुना गया है और इसलिए भारतीय टीम प्रबंधन ऑस्ट्रेलिया की परिस्थितियों में उनके प्रदर्शन पर विशेष निगाह रखेगी। इनमें ईश्वरन का प्रदर्शन बेहद महत्वपूर्ण होगा क्योंकि अगर कप्तान रोहित शर्मा निजी कारणों से पांच टेस्ट मैच की इस श्रृंखला के एक या दो मैच में नहीं खेल पाते हैं तो फिर इस 29 वर्षीय बल्लेबाज को पारी की शुरुआत करने का मौका मिल सकता है। ईश्वरन काफी अनुभवी बल्लेबाज हैं। उन्होंने अभी तक 99 प्रथम श्रेणी मैचों में 7638 रन बनाए हैं जिसमें 27 शतक और 29 अर्धशतक शामिल हैं।

भारत और मलेशिया में 18 को होगा मुकाबला

नई दिल्ली। नए मुख्य कोच मानोलो मार्केज की देखरेख में तीन मैच में जीत का स्वाद चखने में नाकाम रहीं भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम 18 नवंबर को हैदराबाद में मलेशिया के खिलाफ मैत्री मैच खेलेगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने बुधवार को इसकी घोषणा की। एआईएफएफ ने पिछले महीने घोषणा की थी कि मैच 19 नवंबर को खेला जाएगा लेकिन उन्होंने स्थान नहीं बताया था। उसने बुधवार को मैच एक दिन पहले करने के साथ आयोजन स्थल की भी घोषणा कर दी। भारतीय टीम फीफा की रैंकिंग में 125वें जबकि मलेशिया 133 वें पायदान पर है।

गिल ने स्वीकार की वेतन में कटौती

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने अपने वेतन में कटौती स्वीकार करने का फैसला किया है और 31 अक्टूबर की समय सीमा से पहले इस आईपीएल फ्रेंचाइजी द्वारा रिटेन किए जाने वाले वह दूसरे खिलाड़ी होंगे। गिल ने 2024 में पहली बार टाइटंस की अगुआई की और वह तथा टीम प्रबंधन दोनों टीम के अहम खिलाड़ियों को बरकरार रखने के लिए उत्सुक हैं। फ्रेंचाइजी के लिए रिटेन होने वाले पहले खिलाड़ी स्टार स्पिनर राशिद खान होंगे, इसके बाद गिल, साई सुदर्शन और दो अनकैप्ड खिलाड़ियों राहुल तेवतिया और शाहरुख खान को टीम रिटेन कर सकती है।

टेस्ट : न्यूजीलैंड के खिलाफ 0-2 से पिछड़ी भारतीय टीम

स्पिनरों को जवाब देने भारतीय खिलाड़ियों ने की जमकर तैयारी

एजेंसी ▶▶| मुंबई

न्यूजीलैंड के खिलाफ 0-2 से पिछड़कर घरेलू श्रृंखला गंवा चुकी भारतीय टीम ने सटीक गेंदबाजी कर रहे मेहमान टीम के गेंदबाजों, विशेषकर स्पिनरों के खिलाफ बल्लेबाजों के प्रदर्शन सुधार के लिए जमकर पसीना बहाया। यहां तीसरे टेस्ट में भी स्पिन की अनुकूल पिच होने की चर्चा है। वानखेड़े स्टेडियम में नेट सत्र से पता चलता है कि शुक्रवार से शुरू हो रहे अंतिम टेस्ट से पहले टीम प्रबंधन कितना तत्पर है क्योंकि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी बल्लेबाज इस टेस्ट श्रृंखला में अब तक उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

नेट सत्र से पहले उन्होंने मैदानकर्मियों को चार अभ्यास नेट पर अतिरिक्त सफेद लाइन खींचने के लिए कहा। ऐसा आम तौर पर इसलिए किया जाता है जिससे कि बल्लेबाजों को गेंद की लाइन और लेंथ की जानकारी रहे। बेंगलुरू में पहले टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजों ने सटीक लाइन और उछाल लेती गेंदों के खिलाफ घुटने टेके जबकि पुणे में दूसरे मुकाबले में बाएं हाथ के स्पिनर मिशेल सेंटनर ने दो पारियों में 13 विकेट चटकाए।

पिच स्पिन के अनुकूल

तो क्या मुंबई में वाकई स्पिन की अनुकूल पिच की संभावना है? हालांकि पिच पढ़ना आसान नहीं होता लेकिन संकेत इस ओर इशारा करते हैं। सुबह के समय पिच पर घास की अच्छी खासी परत थी लेकिन जल्द ही भारी रोलर से इसे नीचे गिरा दिया गया। ऐसा माना जाता है कि यह सतह से नमी सोख लेता है जिसे पिच पर, खास तौर पर बीच के हिस्से में चलाया गया। मैदानकर्मियों ने सतह पर पानी का हल्का छिड़काव किया और फिर थोड़ी देर के लिए हल्के रोलर का इस्तेमाल किया गया। सूरज की तपिश के बीच पिच को कवर से ढका गया।

हम अपनी पसंद की पिच नहीं बनवाते

भारत के सहायक कोच अभिषेक नायर ने बुधवार को जोर देते हुए कहा कि वे टेस्ट मैचों में अपनी जरूरत के हिसाब से पिच तैयार नहीं करवाते। स्पिनरों की मददगार पिच पर खेलते हुए भारत ने पुणे में दूसरा टेस्ट 113 रन से गंवा दिया। कयास लगाए जा रहे हैं कि यहां वानखेड़े स्टेडियम की पिच फिर से स्पिनरों के अनुकूल हो सकती है। नायर ने इस बात से इनकार किया कि टीम के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए स्पिन की अनुकूल पिचें बनाई जा रही हैं। नायर ने कहा, 'काश हम पिचों को अपने हिसाब से तैयार करा पाते लेकिन हम ऐसा नहीं करते। क्यूरेटर ऐसा करते हैं। हमें जैसी भी पिच दी जाएगा, हम खेलते हैं।'

कोच गौतम मैच जीतने गंभीर

यह स्पष्ट है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर चाहते हैं कि उनके बल्लेबाज अंतिम टेस्ट में बेहतर तैयारी के साथ उतरें। भारत के सहायक कोच अभिषेक नायर ने अपने खिलाड़ियों की परेशानियों पर कहा कि स्पिनरों के हाथों पर करीबी नजर रखना महत्वपूर्ण है। नायर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'आपको यह समझने की जरूरत है कि जब कुछ गेंद टर्न ले रही हों और तो कुछ गेंद सीधी जा रही हों तो यह आपके दिमाग से खेलती हैं। इस समय बल्लेबाज के लिए यह समझना बेहद महत्वपूर्ण होता है कि गेंद हाथ से कैसे छूट रही है, कौन सी गेंद सीधी जाएगी और कौन सी अधिक स्पिन होगी।'

25 नेट गेंदबाजों के साथ किया अभ्यास

भारत ने 25 नेट गेंदबाज बुलाए जिसमें स्थानीय स्पिनर और तेज गेंदबाजों का अच्छा मिश्रण था। इन्होंने सीनियर खिलाड़ियों को लगभग तीन घंटे तक अभ्यास कराया। मोहम्मद सिराज सहित भारतीय टीम के लगभग प्रत्येक सदस्य ने लंबे समय तक बल्लेबाजी की। सिराज कोहली के बल्ले से खेलने उतरे और कुछ बड़े शॉट लगाए।

किंग्स कप फुटबॉल

रोनाल्डो पेनल्टी चूके, अल नासर सऊदी कप से बाहर

एजेंसी ▶▶| रियाद

क्रिस्टियानो रोनाल्डो दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में मिली पेनल्टी पर गोल करने से चूक गए जिससे अल नासर को अल तावौन से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा और उनकी टीम सऊदी अरब के घरेलू फुटबॉल टूर्नामेंट किंग्स कप से बाहर हो गई। पांच बार के बैलन डी'ओर विजेता रोनाल्डो ने लगभग दो साल पहले अल नासर के साथ अनुबंध किया था लेकिन वह अभी तक कोई बड़ी ट्रॉफी नहीं जीत पाए हैं। स ऊ दी अरब की प्रमुख नॉकआउट प्रतियोगिता के राउंड ऑफ 16 चरण के मैच में अल तावौन ने 20 मिनट शेष रहते हुए वलीद अल अहमद के हेडर पर किए गए गोल की मदद से बढ़त बना ली। अल अहमद की 95वें मिनट में की गई गलती से अल नासर को पेनल्टी मिल गई। रोनाल्डो ने अल नासर की तरफ से इससे पहले जो 18 पेनल्टी ली थी उन सभी को उन्होंने गोल में बदला था लेकिन इस बार उनका शॉट बार से टकरा गया। उनकी यह चूक टीम को महंगी पड़ी।

ब्रेंटफ़ोर्ड और साउथेम्प्टन जीते

लंदन। प्रीमियर लीग की टीमें ब्रेंटफोर्ड और साउथेम्प्टन ने दूसरी श्रेणी की टीमों को हराकर इंग्लिश लीग कप फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। ब्रेंटफ़ोर्ड ने निर्धारित समय तक मैच 1-1 से बराबरी पर रहने के बाद शेफ़ील्ड वेडनसडे को पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से हराया। पेनल्टी शूटआउट में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला। ऐसे में ब्रेंटफोर्ड के गोलकीपर मार्क फ्लेकेकेन ने आखिरी स्पॉट किक पर लियाम पामर का शॉट रोककर अपनी टीम को जीत दिलाई। एक अन्य मैच में जेम्स ब्री के 88वें मिनट में किए गए निर्णायक गोल की मदद से साउथेम्प्टन ने स्टोक को 3-2 से पराजित किया।

टेस्ट क्रिकेट

मुलडर ने भी जड़ा शतक अफ्रीका ने बनाए 575 रन

एजेंसी ▶▶| चटगांव

दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन बुधवार को अपनी पहली पारी छह विकेट पर 575 रन पर घोषित करने के बाद बांग्लादेश के 38 रन पर चार विकेट झटक कर मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली।

■ बांग्लादेश ने 38 रन पर गंवाए चार विकेट

दो मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट को सात विकेट से जीतने वाले दक्षिण अफ्रीका के लिए तीन खिलाड़ियों ने शतक जड़े। टोनी डि जॉर्जी ने 177 जबकि वियान मुलडर ने नाबाद 105 रन का योगदान दिया। ट्रिस्टन स्टब्स ने मैच के पहले दिन 106 रन बनाए थे। बांग्लादेश के वामहस्त स्पिनर ताइजुल इस्लाम ने 198 रन देकर पांच विकेट लिए लेकिन उन्हें दूसरे छोर से किसी गेंदबाज का अच्छा साथ नहीं मिला। दक्षिण अफ्रीका ने दिन की शुरुआत दो विकेट पर 307 रन से की। दिन की शुरुआत में डी जॉर्जी और डेविड बेडिंघम को बांग्लादेश के गेंदबाजों के सामने कोई परेशानी नहीं हुई। इस जोड़ी ने तीसरे विकेट के लिए 116 रन की साझेदारी के दौरान स्पिनरों के खिलाफ स्वीप और रिवर्स स्वीप का अच्छा इस्तेमाल किया।

5 रन के अंदर झटके 3 विकेट

श्रृंखला के पहले टेस्ट में आठ विकेट लेने वाले ताइजुल ने पांच रन के अंदर तीन विकेट चटका कर बांग्लादेश को मैच में वापस लाने की कोशिश की। दक्षिण अफ्रीका का स्कोर दो विकेट पर 386 रन से पांच विकेट पर 391 रन हो गया। ताइजुल ने बेडिंघम को बोल्ड कर 59 रन की उनकी पारी को खत्म करने के बाद डी जॉर्जी को पगबाधा किया। उन्होंने विकेटकीपर काइल वेरनिन को खाता खोले बिना चलता कर बांग्लादेश की वापसी की उम्मीद बढ़ा दी।

7वें विकेट के लिए जोड़े 152 रन

तेज गेंदबाज नाहिद राणा (83 रन पर एक विकेट) ने रयान रिकेलटन (12) को विकेटकीपर महिदुल इस्लाम के हाथों कैच कराकर दक्षिण अफ्रीका की परेशानी और बढ़ा दी लेकिन मुलडर और सेनुरान मुथुसामी (नाबाद 68) ने सातवें विकेट के लिए 152 रन की अटूट साझेदारी कर दक्षिण अफ्रीका को बड़े स्कोर तक पहुंचा दिया। मुलडर ने 150 गेंद में अपना शतक पूरा किया जिसके बाद दक्षिण अफ्रीका ने पारी घोषित कर दी।

टर्निंग विकेटों पर भारत का पलड़ा अब भी भारी

मुंबई। भारत को भले ही पहले दो टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा लेकिन कीवी स्पिनर अजाज पटेल का मानना है कि टर्निंग विकेटों पर मेजबान टीम का पलड़ा अब भी भारी है। न्यूजीलैंड ने पहले दो टेस्ट मैच में भारत को खेल के हर विभाग में परास्त किया। विशेषकर स्पिनरों के लिए मददगार पिच पर उसने भारत की तुलना में अच्छा प्रदर्शन किया। तीसरा और अंतिम टेस्ट मैच यहां वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा और कयास लगाए जा रहे हैं कि यहां भी धीमी गति के गेंदबाजों को मदद पहुंचाने वाली पिच तैयार की जा रही है।

पेरिस मास्टर्स : कार्लोस अल्काराज़ और सिटसिपास तीसरे दौर में, रुबलेव हारे

एजेंसी ▶▶| पेरिस

कार्लोस अल्काराज़ ने अपनी सर्विस पर कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद चिली के निकोलस जेरी को 7-5, 6-1 से हराकर पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में प्रवेश किया।

चार बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन अल्काराज साल के अपने पांचवें खिताब की तलाश में हैं। उनका अगला मुकाबला 15वीं वरीयता प्राप्त उगो हम्बर्ट या अमेरिकी क्वालीफायर मार्कोस गिरोन से होगा। यूनान के दसवीं वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सिटसिपास ने एलेजांद्रो ताबिलो को 6-3, 6-4 से हराकर साल के अंतिम टूर्नामेंट एटीपी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की अपनी उम्मीदों को जीवंत बनाए रखा। एटीपी फाइनल में चोटी के आठ खिलाड़ी भाग लेते हैं। नॉर्वे के तीन बार के ग्रैंडस्लैम उपविजेता और सातवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और ऑस्ट्रेलिया के गैरवरीय जॉर्डन थॉम्पसन से 7-6 (3), 3-6, 6-4 से हार गए। रूस के छठी वरीयता प्राप्त एंड्री रुबलेव ने दोनों सेट के टाईब्रेकर तक खिंचने से अपना आपा खो दिया और आखिर में उन्हें हार का सामना करना पड़ा जिससे उनकी एटीपी फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को झटका लगा है। फ्रांसिस्को सेरुंडोलो ने उन्हें 7-6 (6), 7-6 (5) से हराया।

बोपन्ना-एबडेन ने क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

पेरिस। भारत के स्टार खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के उनके उनके जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन ने यहां सीधे सेटों में जीत दर्ज करके पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। भारत और ऑस्ट्रेलिया की इस जोड़ी ने एटीपी 1000 प्रतियोगिता में मंगलवार को एक घंटे 16 मिनट तक चले मैच में ब्राज़ील के मार्सेलो मेलो और और जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 6-4, 7-6 से हराया। बोपन्ना और एबडेन ने अपनी पहली सर्विस में 91 प्रतिशत जीत हासिल की और मैच के दौरान चार ऐस लगाए।

आईपीएल : एक फ्रेंचाइजी द्वारा 6 खिलाड़ी रिटेन करने का नियम

राहुल और शमी की होगी छुट्टी, रिटेंशन लिस्ट आज

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 सीजन से पहले मेगा ऑक्शन होना है। यह नीलामी इसी साल नवंबर के आखिर या दिसंबर के शुरुआत में हो सकती है। मगर उससे पहले सभी 10 फ्रेंचाइजी को अपने रिटेन और रिलीज किए गए प्लेयर्स की लिस्ट बनाकर सौंपनी होगी। इसकी आखिरी तारीख आज (31 अक्टूबर) ही है। इसी दिन दीपावली का त्योहार भी है।

बता दें कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने हाल ही में रिटेंशन को लेकर नए नियम जारी किए हैं। इसके मुताबिक, एक फ्रेंचाइजी ज्यादा से ज्यादा 6 खिलाड़ी ही रिटेन कर सकती है। यदि कोई टीम 6 से कम खिलाड़ियों को रिटेन करती है, तो उस स्थिति में फ्रेंचाइजी को ऑक्शन के दौरान राइट टू मैच कार्ड इस्तेमाल करने का मौका मिलेगा। रिटेन खिलाड़ियों की आधिकारिक लिस्ट सामने आने से पहले ही कयास लगाने शुरू हो गए हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो गुजरात टाइटन्स मोहम्मद शमी को छोड़ सकती है। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान केएल राहुल नीलामी पूल में शामिल हो सकते हैं।

संभावित लिस्ट

गुजरात टाइटन्स
- शुभमन गिल
- राशिद खान
- साई सुदर्शन
- शाहरुख खान
- राहुल तेवतिया (RTM)

लखनऊ सुपर जायंट्स
- निकोलस पूरन
- मयंक यादव
- आयुष बदोनी
- रवि बिश्नोई (RTM)

मुंबई इंडियंस
- हार्दिक पंड्या
- जसप्रीत बुमराह
- रोहित शर्मा
- सूर्यकुमार यादव
- तिलक वर्मा

चेन्नई सुपर किंग्स
- महेंद्र सिंह धोनी (अनकैप्ड)
- ऋतुराज गायकवाड़
- रवींद्र जडेजा
- रचिन रवींद्र (संभवतः)
- मथीशा पथिराना

सनराइजर्स हैदराबाद
- पैट कमिंस
- हेनरिक क्लासेन
- अभिषेक शर्मा
- ट्रैविस हेड
- अब्दुल समद

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
- विराट कोहली
- मोहम्मद सिराज
- यश दयाल (संभवतः)

दिल्ली कैपिटल्स
- कुलदीप यादव
- अक्षर पटेल
- ऋषभ पंत

कोलकाता नाइट राइडर्स
- सुनील नरेन
- रहमानुल्लाह गुरबाज
- रिंकू सिंह
- हर्षित राणा
- श्रेयस अय्यर

पंजाब किंग्स
- अर्शदीप सिंह

राजस्थान रॉयल्स
- संजू सैमसन
- यशस्वी जायसवाल
- रियान पराग
- जोस बटलर

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में प्रमुख मानवाधिकार अधिवक्ता ईमान पति सहित गिरफ्तार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की प्रमुख मानवाधिकार अधिवक्ता ईमान जैनब मजारी-हाजिर और उनके पति हादी अली को सरकारी कामकाज में हस्तक्षेप के आरोप में सोमवार को गिरफ्तार किया गया। इंग्लैंड और पाकिस्तान के बीच हाल ही में संपन्न हुए टेस्ट मैच के दिन ईमान और अली ने पुलिस द्वारा लगाए गए अवरोधकों को हटाने का प्रयास किया था। इसको लेकर ही उन्हें गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर पोस्ट कर कहा, ''अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टीम के दौरे के समय सरकारी कामकाज में हस्तक्षेप करके सुरक्षा जोखिम पैदा करने पर इस्लामाबाद पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करते हुए ईमान मजरी और हादी अली को गिरफ्तार किया। पुलिस ने कहा कि उनके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया और ईमान को महिला पुलिस थाने को सौंप दिया। ईमान की मां एवं पूर्व मानवाधिकार मंत्री शिरीन मजरी ने कहा कि उनकी बेटी को सोमवार सुबह गिरफ्तार किया गया। उन्होंने 'एक्स पर कहा, ''ईमान मजारी को आज सुबह गिरफ्तार किया गया। प्रांत में फासीवाद चरम पर है। उन्होंने 'एक्स पर कथित वीडियो साझा करते हुए दावा किया कि इस्लामाबाद पुलिस ने शुक्रवार को ''जानबूझकर अवरोधक लगाकर उनका (ईमान का) रास्ता रोका और हमला किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस की कार्रवाई में उनकी बेटी को ''चोटें आई हैं। यह पहली बार नहीं जब ईमान को गिरफ्तार किया गया है। पिछले साल अगस्त में इस्लामाबाद पुलिस ने ईमान को पूर्व सांसद अली वजीर के साथ एक रैली में दिए गए भाषण को लेकर देशद्रोह के मामले में गिरफ्तार किया था।

पाकिस्तान के 16 जिलों में पोलियों का कहर बढ़ा, देशभर में तीसरा टीकाकरण अभियान शुरू

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के 16 जिलों में पोलिया के विषाणु का पता चलने के बाद सरकार ने देशभर में सोमवार को अपना तीसरा टीकाकरण अभियान शुरू किया, ताकि देश के 4.5 करोड़ बच्चों को पोलियो की गिरफ्त में आने से बचाया जा सके। अखबार 'डॉन में प्रकाशित खबर के मुताबिक, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पिछले सप्ताह विश्व पोलियो दिवस पर प्रधानमंत्री आवास में आयोजित एक समारोह के दौरान तीसरे अभियान की घोषणा की थी। उन्होंने वहां बच्चों को पोलियो की खुराक भी पिलाई। पाकिस्तान में पोलियो के खिलाफ तीन नवंबर तक टीकाकरण अभियान चलेगा, जिसका उद्देश्य देश में पोलियो के खतरनाक प्रसार को खत्म करना है। देश में इस साल पोलियो के 41 मामले सामने आए हैं। अभियान के दौरान, स्वास्थ्य विभागों की विशेष टीम घर-घर जाकर 4.5 करोड़ से अधिक बच्चों को टीका लगाएंगी। खबर के अनुसार, अभियान के दौरान बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए विटामिन-ए की खुराक दी जाएगी। खबर में बताया गया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान द्वारा 16 जिलों से लिये गए नमूनों में पोलियोवायरस टाइप-1 (डब्ल्यूपीवी1) पाए जाने की पुष्टि हुई, जिसके बाद देशभर में तीसरी बार टीकाकरण अभियान शुरू किया गया। पाकिस्तान के बलूचिस्तान से पोलियो के अब तक 21, सिंध से 12, खैबर पख्तूनख्वा से छह तथा पंजाब और इस्लामाबाद से एक-एक मामले सामने आए हैं।

जर्मन विदेश मंत्री चीन एयरपोर्ट पर हुई शर्मिंदा, स्वागत करने कोई अधिकारी नहीं आया !

बीजिंग, एजेंसी। जर्मनी की विदेश मंत्री एनालेना बैरबॉक का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें उन्हें चीन के एयरपोर्ट पर उतरते समय कुछ हद तक कन्फ्यूज दिखाया गया है। दावा किया जा रहा है कि जब वह चीन पहुंचीं, तब एयरपोर्ट पर उनका स्वागत नहीं हुआ, जिससे वह हैरान और शर्मिंदा हो गईं। वीडियो में दिखता है कि उनके स्वागत के लिए सिर्फ कुछ ही लोग मौजूद हैं, और यह स्थिति देखकर वह परेशान लग रही हैं। हालांकि, इस वीडियो के संबंध में कई उपयोगकर्ताओं ने सवाल उठाया है। कुछ लोग इस वीडियो को मलेशिया का बताते हुए दावा कर रहे हैं कि यह वायरल वीडियो वास्तव में मलेशिया के कुआलालंपुर एयरपोर्ट का है। जर्मनी के दूतावास ने भी इस संबंध में जानकारी साझा की है, जिसमें पुष्टि की गई है कि एनालेना बैरबॉक की यात्रा दक्षिण पूर्व एशिया के देशों के लिए थी और यह वीडियो मलेशिया का है। वायरल वीडियो के सही संदर्भ को लेकर संशय है, और यह स्पष्ट होता है कि यह वीडियो चीन का नहीं, बल्कि मलेशिया का है। सोशल मीडिया पर इसे लेकर विभिन्न प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं, लेकिन संस्थागत रूप से इसे गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है। वीडियो उस वक्त का बताया जा रहा है जब वह चीन पहुंची थीं और एयरपोर्ट पर अपने प्लेन से उतर रही थीं। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि फ्लाइट से नीचे उतरते ही जर्मनी की विदेश मंत्री कन्फ्यूज दिखाई दीं। दावा है कि वीडियो उनके चीन दौरे का है और वह इस बात से परेशान हैं क्योंकि उनका सम्मान जनक तरीके से स्वागत नहीं हुआ। जब उन्होंने देखा कि एयरपोर्ट पर कोई चीनी अधिकारी नहीं है ।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव 2024: मतपत्र ड्रॉप बॉक्स में लगी आग, अधिकारी बोले- घटना की हो रही है जांच

वाशिंगटन डीसी , एजेंसी। संघीय अधिकारी ओरेगन के पोर्टलैंड क्षेत्र में दो मतपत्र ड्रॉप बॉक्स में आग लगने की घटनाओं की जांच कर रहे हैं. सीएनएन ने बताया कि अधिकारी वाशिंगटन के पास के वैंकूवर क्षेत्र में दूसरी आग लगने की घटना की भी जांच कर रहे हैं. पोर्टलैंड पुलिस ब्यूरो ने कहा कि अधिकारियों ने ओरेगन में सोमवार को सुबह 3:30 बजे (स्थानीय समय) एक मतपेटी में आग लगने की घटना की जानकारी मिली. सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत आग बुझा दी.

एफबीआई के सिएटल कार्यालय के प्रवक्ता स्टीव बर्नड ने कहा कि संघीय अधिकारी राज्य और स्थानीय कानून प्रवर्तन की मदद से इन घटनाओं की जांच कर रहे हैं. मल्टनोमाह काउंटी चुनाव निदेशक टिम स्कॉट ने पुष्टि की कि बॉक्स के अंदर आग बुझाने वाली प्रणालियों ने लगभग सभी मतपत्रों की सुरक्षा की, हालांकि तीन क्षतिग्रस्त हो गए. सीएनएन द्वारा रिपोर्ट की गई है कि अधिकारी उन मतदाताओं से संपर्क करेंगे, जो अपने मतपत्र लिफाफों पर अद्वितीय पहचानकर्ताओं का उपयोग करके प्रतिस्थापन मतपत्र प्रदान करेंगे.

स्कॉट ने कहा कि जिन मतदाताओं ने शनिवार दोपहर 3:30 बजे से सोमवार दोपहर 3 बजे के बीच अपने मतपत्र जमा किए हैं, उन्हें यदि कोई चिंता है तो मल्टनोमा काउंटी चुनाव प्रभाग से संपर्क करना चाहिए. उन्होंने कहा कि मतदाताओं को

आश्वस्त होना चाहिए कि भले ही उनके मतपत्र प्रभावित बॉक्स में हों, फिर भी उनके मतों की गणना की जाएगी. सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, वैंकूवर पुलिस विभाग ने कहा कि वैंकूवर में सोमवार तड़के एक बस स्टेशन पर दूसरे मतपेटी में आग लगा दी गई. विभाग को जलते हुए बॉक्स के बगल में एक संदिग्ध उपकरण मिला. क्लार्क काउंटी चुनाव कार्यालय ने कहा कि सैकड़ों मतपत्र प्रभावित हुए. वैंकूवर की प्रवक्ता लॉरा शेपर्ड ने शनिवार को सुबह 11 बजे के बाद उस बॉक्स में मतपत्र जमा करने वाले किसी भी व्यक्ति को अपने मतपत्र की स्थिति की पुष्टि करने की सलाह दी.

वाशिंगटन के राज्य सचिव स्टीव हॉब्स ने घटनाओं की निंदा की. उन्होंने स्वीकार किया कि कुछ मतपत्र क्षतिग्रस्त हो गए थे और चुनाव कार्यकर्ताओं के लिए सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला. उन्होंने चुनावी प्रक्रिया को खतरे में डालने वाली किसी भी कार्रवाई की निंदा की और वाशिंगटन में सुरक्षित और संरक्षित चुनाव सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय चुनाव अधिकारियों पर भरोसा जताया. हॉब्स ने कहा कि हम अपने चुनाव कार्यकर्ताओं की सुरक्षा को गंभीरता से लेते हैं. उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को कमजोर करने की कोशिश करने वाली धमकियों या हिंसा के कृत्यों को बर्दाश्त नहीं करेंगे. उन्होंने कहा कि मैं वाशिंगटन राज्य में वैध और निष्पक्ष चुनावों को बाधित करने के उद्देश्य से किए गए किसी भी आतंकवादी कृत्य की कड़ी निंदा करता हूं... इस घटना के बावजूद, मुझे हमारे काउंटी चुनाव अधिकारियों की वाशिंगटन के चुनावों को सभी मतदाताओं के लिए सुरक्षित और संरक्षित रखने की क्षमता पर पूरा भरोसा है. दोनों मतपेटियां लगभग 15 मील की दूरी पर स्थित हैं. वैंकूवर का प्रतिनिधित्व प्रतिनिधि मैरी ग्लूसेनकैंप पेरेज़ करते हैं, जो पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समर्थित रिपब्लिकन जो केंट के खिलाफ रीमैच का सामना कर रहे हैं. सीएनएन के अनुसार, हाल ही में इसी तरह की घटनाओं की रिपोर्ट मिली हैं, जिसमें फीनिक्स में एक डाकघर के बाहर एक मेलबॉक्स में आग लगाना शामिल है, जिससे अज्ञात संख्या में मतपत्र क्षतिग्रस्त हो गए. फोनिक्स पुलिस विभाग ने बताया कि इस मामले में 35 वर्षीय व्यक्ति पर आगजनी का आरोप लगाया गया है, जिसमें दावा किया गया है कि यह घटना राजनीति से प्रेरित नहीं थी. ये आगजनी एफबीआई और होमलैंड सुरक्षा विभाग के बुलेटिन के बाद हुई जिसमें चेतावनी दी गई थी कि चुनाव संबंधी शिकायतें, जैसे कि मतदाता धोखाधड़ी में विश्वास, नवंबर के चुनावों से पहले और बाद में घरेलू चरमपंथियों को हिंसा करने के लिए उकसा सकती हैं.

100 दिन पूरे कर रही ओली सरकार, चीन की यात्रा करने वाले हैं नेपाली पीएम

काठमांडू, एजेंसी। प्रस्तावित यात्रा जुलाई के मध्य में पदभार ग्रहण करने के बाद ओली की निकटतम पड़ोसी की पहली

यात्रा होगी, जो नेपाल के प्रधान मंत्री के रूप में उनका चौथा कार्यकाल है। नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली नवंबर के मध्य और दिसंबर के मध्य के बीच चीन की आधिकारिक यात्रा करने की योजना बना रहे हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय में एक उच्च स्तरीय स्रोत का हवाला देते हुए, माई रिपब्लिका अखबार ने बताया कि विदेश मंत्रालय ओली की प्रस्तावित चीन यात्रा की तैयारी कर रहा है क्योंकि सरकार कार्यालय में अपने पहले 100 दिन पूरे कर रही है। ताजा घटनाक्रम को नेपाल के भूराजनीतिक बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है। टिप्पणी के लिए विदेश मंत्रालय से संपर्क करने की कोशिश की गई तो प्रवक्ता उपलब्ध नहीं थे। हालांकि, विदेश मंत्रालय के एक उच्च स्तरीय सूत्र ने कहा कि न तो भारत और न ही चीन ने अब तक प्रधानमंत्री को आधिकारिक यात्रा के लिए निमंत्रण सौंपा है। प्रस्तावित यात्रा जुलाई के मध्य में पदभार ग्रहण करने के बाद ओली की निकटतम पड़ोसी की पहली यात्रा होगी, जो नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में उनका चौथा कार्यकाल है। ओली ने पिछले महीने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक की थी। मुलाकात के दौरान ओली ने पीएम मोदी को नेपाल आने का निमंत्रण दिया। प्रधानमंत्री ओली संभवतः नवंबर के भीतर चीन का दौरा करेंगे, हालांकि तारीखों को अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है। यात्रा को सार्थक और उत्पादक बनाने के लिए तैयारी चल रही है। ओली ने वन चाइना नीति के प्रति हिमालयी राष्ट्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए कहा था कि देश में किसी भी चीन विरोधी गतिविधियों की अनुमति नहीं दी जाएगी। ओली ने यह टिप्पणी चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के सदस्य चेन जीनिंग के नेतृत्व वाले उच्च स्तरीय चीनी प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में की।

एक साल में 43,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए, स्वास्थ्य मंत्रालय ने दी जानकारी

गाजा, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इज़राइल पर 44 पुरुष अस्पताल कर्मचारियों को हिरासत में लेने का आरोप लगाया। फ़िलिस्तीनी चिकित्सा अधिकारियों ने कहा कि अस्पताल, जो लगभग 200 रोगियों का इलाज कर रहा था, छापे में भारी क्षति हुई। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि गाजा में साल भर चले युद्ध में मारे गए फिलिस्तीनियों की संख्या 43,000 से अधिक हो गई है, जिनमें से आधे से अधिक महिलाएं और बच्चे हैं। मंत्रालय ने कहा कि इस संख्या में पिछले दो दिनों में गाजा के अस्पतालों में पहुंचे 96 मृतक शामिल हैं। इज़रायली सैनिकों ने उत्तरी गाजा में एक सतत अभियान शुरू किया है जिसमें सप्ताहांत में एक अस्पताल पर छापा भी शामिल है। सेना ने कहा कि उसने शुक्रवार को बेत लाहिया में कमल अदवान अस्पताल पर छापेमारी में हमास के 100 संदिग्ध आतंकवादियों को हिरासत में लिया। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इज़राइल पर 44 पुरुष अस्पताल कर्मचारियों को हिरासत में लेने का आरोप लगाया। फ़िलिस्तीनी चिकित्सा अधिकारियों ने कहा कि अस्पताल, जो लगभग 200 रोगियों का इलाज कर रहा था, छापे में भारी क्षति हुई। इज़राइल ने साल भर चले युद्ध के दौरान गाजा में कई अस्पतालों पर छापा मारा है।

बांग्लादेश में शेख हसीना के महल को म्यूजियम बनाने की तैयारी, दिखाई जाएगी 'कुशासन' की झांकी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में शेख हसीना के आवास को संग्रहालय में बदलने की तैयारी चल रही है। इस म्यूजियम के जरिए शेख हसीना सरकार की कथित अराजकता की यादों को लोगों तक पहुंचाया जाएगा। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने सोमवार को घोषणा की है कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पूर्व महल को क्रांति के संग्रहालय में बदला जाएगा। उन्होंने कहा कि इस क्रांति के जरिए ही शेख हसीना को सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। यूनुस ने सोमवार को महल के दौरे के दौरान कहा, संग्रहालय शेख हसीना के कथित कुशासन और उन्हें सत्ता से हटाए जाने के लिए लोगों के आंदोलन की यादों को संरक्षित करेगा। यूनुस के कार्यालय में एक प्रेस अधिकारी अपूर्वा जहांगीर ने घोषणा की कि दिसंबर तक निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। अपूर्वा ने बताया, संग्रहालय का निर्माण अभी शुरू नहीं हुआ है लेकिन यह जल्द ही शुरू हो जाएगा। इस संग्रहालय में शेख हसीना के शासन के दौरान बने कुख्यात 'हाउस ऑफ़ मिरर्स' हिरासत केंद्र की तर्ज पर एक रेप्लिका बनाई जाएगी। इस हिरासत केंद्र में कैदियों को खुद के अलावा किसी और को देखने की इजाजत नहीं थी। मोहम्मद यूनुस ने कहा, अयनागर के जरिए लोग देख पाएंगे कि किस तरह गुप्त कैदियों को यातनाएं सहनी पड़ती थी।

बड़े आरोप गौरतलब है कि छात्रों के विद्रोह से शुरू हुए आंदोलन के बाद शेख हसीना को अगस्त में पद और देश छोड़ना पड़ा था। इसके बाद

84 साल के मोहम्मद यूनुस को देश का मुख्य सलाहकार नियुक्त किया गया था। 15 साल के शासन के दौरान शेख हसीना पर बड़े पैमाने पर मानवाधिकार हनन के आरोप लगे हैं। इनमें राजनीतिक विरोधियों की सामूहिक हिरासत और हत्याएं शामिल हैं। इस महीने एक बांग्लादेशी अदालत ने शेख हसीना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया है। हसीना सरकार के पतन से पहले पुलिस कार्रवाई के दौरान 700 से अधिक लोग मारे गए थे। कहां हैं शेख हसीना शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद हजारों लोगों की भीड़ ने उसके पूर्व आवास पर धावा बोल दिया था जिसे सरकार ने 'दमन का प्रतीक' करार दिया था। हसीना के सत्ता से बेदखल होने के बाद कम से कम दो दिनों तक अराजकता की स्थिति बनी रही।

इस दौरान उनके पिता और बांग्लादेश के पहले राष्ट्रपति शेख मुजीबुर रहमान के घर पर बने एक संग्रहालय पर भी भीड़ ने हमला कर दिया था। बांग्लादेश से भागने के बाद से शेख हसीना को सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है। 77 साल की शेख हसीना को आखिरी बार आधिकारिक तौर पर नई दिल्ली के पास एक सैन्य एयरबेस पर देखा गया था।

गाजावासियों की मुश्किलों में होगा इजाफा, मदद पहुंचा रही यूएन एजेंसी पर इजरायल ने लगाया बैन

यरूशलम , एजेंसी। इजरायल की संसद नेसेट ने एक कानून पारित कर नियर ईस्ट में फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए यूएन रिलीफ एंड वर्क्स एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) को इजरायल में काम करने से रोक दिया। इजरायल के सरकारी कान टीवी न्यूज ने बताया कि नया कानून, जिसे 120 में से 92 संसद सदस्यों का समर्थन प्राप्त हुआ, अमेरिका और कई यूरोपीय देशों के विरोध के बावजूद पारित हो गया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कानून में यह प्रावधान है कि यूएनआरडब्ल्यूए इजराइली क्षेत्र में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोई प्रतिनिधित्व, सेवाएं या कोई गतिविधि संचालित नहीं करेगा। कानून के स्पष्टीकरण नोट में कहा गया, चूंकि यह साबित हो चुका है कि यूएनआरडब्ल्यूए और उसके कर्मचारी इजरायल के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों में भाग लेते हैं और उनमें शामिल हैं, इसलिए यह प्रस्ताव स्थापित करता है कि इजरायल अपने क्षेत्र में एजेंसी की सभी गतिविधियों को रोकने के लिए कार्रवाई करेगा। एक्स पर एक पोस्ट में,

यूएनआरडब्ल्यूए के कमिश्नर जनरल फिलिप लाजारिनी ने कहा कि इजरायली संसद का यूएनआरडब्ल्यूए के खिलाफ वोट अभूतपूर्व है और एक खतरनाक मिसाल कायम करता है। लाजारिनी ने लिखा, यह संयुक्त राष्ट्र चार्टर का विरोध करता है और अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत इजरायल राज्य के दायित्वों का उल्लंघन है... ये विधेयक फिलिस्तीनियों की पीड़ा को और बढ़ाएंगे, खासकर गाजा में जहां लोग एक साल से भी अधिक समय से नरक से गुजर रहे हैं। गाजा पट्टी पर चल रहे इजरायली हमलों में फिलिस्तीनी मृतकों की संख्या 43,000 के पार हो गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने सोमवार को एक बयान में कहा कि पिछले 48 घंटों के दौरान, इजरायली सेना के हमलों में 96 लोग मारे गए और 277 अन्य घायल हो गए, जिससे अक्टूबर 2023 की शुरुआत में फिलिस्तीनी-इजरायल संघर्ष शुरू होने के बाद से कुल मृतकों की संख्या 43,020 और घायलों की संख्या 101,110 हो गई। बयान में कहा गया कि कई पीड़ित अभी भी मलबे के नीचे हैं।

ट्रंप का ध्यान अपनी शिकायतों, खुद पर, और देश को बांटने पर है : कमला हैरिस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क में अपनी रैली में दिखाया कि उनका ध्यान अपनी शिकायतों पर, खुद पर और हमारे देश को विभाजित करने पर केंद्रित है। हैरिस ने यह भी कहा कि मंगलवार को अपने अंतिम भाषण में वह दिखाएंगी कि उन दोनों में कितना बड़ा अंतर है। अमेरिका में 2024 का राष्ट्रपति चुनाव नजदीक है, जो 5 नवंबर को होगा। दोनों उम्मीदवार अपना अंतिम भाषण देने के बाद भी प्रचार करते रहेंगे, लेकिन अब वे अपने मुख्य मुद्दों को समेटने की कोशिश करेंगे। सोमवार तक 44 मिलियन लोग मतदान कर चुके थे। हैरिस अपना अंतिम भाषण यूएस कैपिटल ग्राउंड में द एलिप्स पर देंगी, जहां ट्रंप ने 6 जनवरी 2020 को रैली की थी। जिसके बाद उनके समर्थकों ने संयुक्त बैठक में जो बाइडेन को 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के विजेता और अगले राष्ट्रपति के रूप में प्रमाणित करने से रोकने के लिए अमेरिकी कांग्रेस तक मार्च किया था। इसी घटना के चलते ट्रंप पर संघीय आरोप लगाए गए हैं। अभी तक के सर्वेक्षण में दोनों के बीच करीबी मुकाबला है। एक सर्वेक्षण में हैरिस 48.0 प्रतिशत और ट्रंप 46.7 प्रतिशत पर हैं, जबकि दूसरे सर्वेक्षण में ट्रंप 48.6 प्रतिशत और हैरिस 48.4 प्रतिशत पर हैं। हालांकि, इस मुकाबले का नतीजा मुख्य रूप से सात राज्यों - विस्कॉन्सिन,

मिशिगन, पेंसिल्वेनिया, नॉर्थ कैरोलिना, जॉर्जिया, नवादा, और एरिजोना - में वोटों से तय होगा। सोमवार को हैरिस ने न्यूयॉर्क के प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में ट्रंप की रैली पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि ट्रंप की यह रैली मेरे अभियान के दौरान कही गई बातों को सच साबित करती है। वह केवल अपनी शिकायतों, खुद पर, और देश को बांटने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हैरिस ने आगे कहा, ट्रंप वही कर रहे हैं जो हमेशा से करते आए हैं। उनका लक्ष्य लोगों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करना और नफरत फैलाना है। यही वजह है कि लोग अब उनसे थक चुके हैं। कई लोग जिन्होंने पहले ट्रंप को समर्थन दिया था, अब मेरा समर्थन कर रहे हैं। लोग अब नई शुरुआत करना चाहते हैं, वे पुरानी बातों से ऊब चुके हैं।

राष्ट्रपति बाइडेन ने दी दिवाली की शुभकामनाएं, व्हाइट हाउस में हुआ शानदार आयोजन

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने लोगों को दिवाली की शुभकामनाएं दीं. उन्होंने दिवाली के महत्व पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि आज व्हाइट हाउस में यह त्यौहार गर्व से मनाया जाता है. अमेरिकी जीवन के ताने-बाने में दक्षिण एशियाई अमेरिकी समुदाय के योगदान पर प्रकाश डालते हुए, बाइडेन ने कहा कि यह समुदाय दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला और सबसे अधिक जुड़ा हुआ समुदाय है. सोमवार (स्थानीय समय) पर व्हाइट हाउस दिवाली समारोह को संबोधित करते हुए, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि दक्षिण एशियाई अमेरिकी समुदाय ने अमेरिकी जीवन के हर हिस्से को समृद्ध किया है. उन्होंने कहा कि आपका समुदाय दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला और सबसे अधिक जुड़ा हुआ समुदाय है. अब, व्हाइट हाउस में दिवाली खुले तौर पर और गर्व से मनाई जाती है. राष्ट्रपति ने इस क्षण के महत्व पर भी बात की, उन्होंने उपस्थित लोगों को याद दिलाया कि वे आइडिया ऑफ अमेरिका को हल्के में न लें. अमेरिकी लोकतंत्र की चुनौतियों पर विचार करते हुए, उन्होंने एक विविध समाज में चल रही बहस और असहमति को स्वीकार किया, लेकिन एकता और ऐतिहासिक जागरूकता के महत्व पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि यह मेरा घर नहीं है; यह आपका घर है...आज हम एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं. हमारे जैसे विविधतापूर्ण देश में, हम बहस करते हैं, हम असहमत होते हैं...लेकिन मुख्य बात यह है कि हम कभी यह नहीं भूलते कि हम यहां कैसे और क्यों पहुंचे. अमेरिकी राष्ट्रपति ने उस समय को भी याद किया जब उन्होंने और प्रथम महिला

जिल बाइडेन ने 2016 में उपराष्ट्रपति के निवास पर पहली दिवाली समारोह की मेजबानी की थी. उन्होंने अपने प्रशासन की विविधता का बखान किया. अंत में बाइडेन ने कहा कि केवल अमेरिका में ही सब कुछ संभव है.

पिछले कुछ वर्षों में, बाइडेन के दिवाली उत्सव ने इस चमकदार परंपरा में एक अनूठा स्पर्श जोड़ा है. रोशनी, रंग, संगीत और नृत्य की विशेषता वाले इस उत्सव में पारंपरिक प्रदर्शन और नर्तक भी शामिल होते हैं. व्हाइट हाउस में दिवाली के कार्यक्रमों की शुरुआत 2003 में राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश के साथ हुई थी और इसमें राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा ओवल ऑफिस में दीया जलाना, साथ ही तत्कालीन उपराष्ट्रपति बाइडेन द्वारा 2016 में एक रिसेप्शन की मेजबानी करना शामिल है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक उपेन्द्रसिंह राठौड़, अम्बर ऑफसेट प्रा.लि। डीएल टॉवर, 3ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र जेएलएन मार्ग जयपुर से मुद्रित एवं एफ 66, सुन्दर मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित, 0141-4006019, 99280-96524, पौआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार अनिल मलिक (सहसंपादक) 8696750000, पंकज गर्ग (प्रबंधक संपादक) 01482-455184, 9214417111